शुक्रवार
13 अक्टूबर 2023

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

स्थानीय लोगों ने पेश की इंसानियत की मिसाल

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

रघुनाथपुर में रेल हादसा: कामाख्या जा रही नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त, चार यात्रियों की मौत 70 से अधिक लोग घायल

जांच में कई जगह टूटी मिलीं रेल की पटरियां

- अधिकारिक तौर पर हादसे की वजह का नहीं हो सका है खुलासा
- घटना के 24 घंटे बाद भी बाधित रहा रेल परिचालन
- मुआवजे का ऐलान... मृतकों के परिजन को मिलेंगे 14-14 लाख

केटी न्यूज टीम/डुमरांव

बिहार के दानापुर रेल मंडल के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास बुधवार की रात बड़ा रेल हादसा हो गया। दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल से कामाख्या जाने वाली नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन रात 9 बजकर 53 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में ट्रेन की दो बोगी पलट गईं जबकि 21 बोगियां पटरी से उतर गई थीं। इसमें अधिकारिक रूप से चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रेल प्रशासन की ओर से इस घटना में मृत यात्रियों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि वहीं बिहार सरकार ने चार-चार लाख रुपए देने का ऐलान किया है। इसके साथ ही दुर्घटना में जख्मी यात्रियों को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है।

इससे पहले घटना की सूचना मिलने के बाद हजारों की संख्या में स्थानीय लोग इंसानियत का परिचय देते हुए राहत व बचाव कार्य में पूरी रात जुटे रहे। इस दौरान उन्होंने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया और अन्य यात्रियों के लिए पानी, दूध, बिस्कुट, चाय आदि का इंतजाम किया। रेलवे और प्रशासन के मोर्चा संभालने के बाद स्थानीय लोगों ने राहत महसूस किया। इस दौरान डीएम और एसडीएम के आह्वान पर जिले के एंबुलेंस संचालक अपनी-अपनी एंबुलेंस लेकर मौके पर मौजूद रहे। जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पताल संचालकों अलर्ट किया गया था।

जांच टीम ने घटनास्थल का किया निरीक्षण

दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू हो गई है। घटना के बाद गुरुवार को जांच टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान रेल की पटरियां कई जगह टूटी मिली हैं। हालांकि अधिकारी यह कहने से बच रहे कि घटना पटरियों के टूटने से हुई या घटना के बाद पटरियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। जांच में यह बात सामने आई है कि जिस समय यह हादसा हुआ उस समय ट्रेन की रफ्तार 110 से 120 किमी प्रतिघंटे थी। इस दौरान अचानक लगाए गए इमरजेंसी ब्रेक की वजह से ट्रेन के एक दो बोगियों को छोड़कर लगभग सभी डिरेल होकर आड़े तिरछे हो गईं। हालांकि ड्राइवर ने किन कारणों से इमरजेंसी ब्रेक लगाया इसकी वजह अब तक सामने नहीं आ सकी हैं। खबर लिखे जाने तक घटना के 24 घंटे बाद भी रेल परिचालन बाधित रहा।

तेजी से चल रहा ट्रैक को रिस्टोर करने का काम

घटनास्थल को रिस्टोर करने का काम तेजी से चल रहा है। रेलवे कर्मचारी ट्रैक को साफ करने में जुटे हैं। रेलवे अधिकारियों की प्राथमिकता है कि पटरियों को जल्दी से रिस्टोर किया जाए ताकि ट्रेन यातायात को फिर से शुरू किया जा सके। क्षतिग्रस्त कोच को रेलवे ट्रैक से हटाने के लिए ऑफ साइड की लाइन पर दानापुर और बक्सर बक्सर दोनों ही छोर से एक-एक रेल क्रेन को लगाया गया है। इसके अलावा एक रोड क्रेन और कई जेसीबी की मदद ली जा रही है। ट्रैक की जो स्थिति है उसके अनुसार इस मार्ग पर परिचालन शुरू करने में अभी वक्त लगेगा। रेल हादसे में दो मेन और दो लूप लाइन मिलकर सभी चार ट्रैक क्षतिग्रस्त हुए हैं। डाउन साइड के दोनों ट्रैक को अधिक नुकसान पहुंचा है। काफी दूरी तक डाउन साइड का ट्रैक पूरी तरह बर्बाद हो गया है।

गंभीर रूप से घायल 10 यात्री पटना एम्स में भर्ती

अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर घायलों का इलाज बक्सर और आरा के अस्पतालों में किया जा रहा है। गंभीर रूप से घायल 10 यात्रियों को पटना के एम्स ले जाया गया है। पटना एम्स के कार्यकारी निदेशक डॉक्टर गोपाल के पाल ने बताया कि दस घायलों को पटना एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इनमें से छह को मामूली चोटें आई हैं। चार अन्य लोगों के शरीर के विभिन्न हिस्से की हड्डी टूट गई है। इनमें से किसी को भी वेंटिलेटर पर रखे जाने की जरूरत नहीं है। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है।

राहत ट्रेन में भेजे गए 1006 लोग: रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि घटना के बाद रेलवे की ओर से राहत ट्रेन चलाई गई। इससे कुल 1006 लोगों को भोजन सामग्री के साथ दानापुर और पटना भेजा गया।

पीएम मोदी और जेपी नड्डा ने दुख जाहिर किया

रेल हादसे को लेकर पीएम मोदी ने दुख जाहिर की है। गुरुवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी प्रतिक्रिया साझा की। उन्होंने लिखा नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के कुछ डिब्बों के पटरी से उतरने के कारण लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदनाएं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। अधिकारी हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घटना के संबंध में कहा है कि बक्सर में देर रात हुई रेल दुर्घटना का समाचार अत्यंत दु:खद है। मैंने रात्रि में बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी और बक्सर से भाजपा के सांसद और केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे जी से राहत कार्यों की जानकारी ली। रेलवे प्रशासन तेजी से राहत कार्यों में लगा हुआ है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

घटनाएं रोकने के लिए रेल सरकार ध्यान दे: नीतीश

सीएम नीतीश कुमार ने रेल हादसे में मृत लोगों के परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है। सीएम ने कहा कि आपदा विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है। घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाने और सुविधा मुहैया कराने के लिए हर संभव कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में जब मैं रेल मंत्री था तो रेल हादसे रोकने के लिए कई तरह के कार्य किए थे, जिससे घटनाएं कम हो गई थी। रेल सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए ताकि इस तरह की घटनायें रोकी जा सके।

वहीं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा घटना के बाद संबंधित जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से बात की। बिहार सरकार तत्परता से पीड़ितों व घायलों के बचाव, राहत एवं उपचार कार्यों में जुटी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने रेल हादसे पर जताया दुख

रेल हादसे को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने दुख प्रकट किया और घायलों के इलाज के लिए अहम जानकारी दी। उन्होंने ट्वीटर पर पोस्ट करते हुए लिखा, बिहार के बक्सर में हुए रेल हादसे में घायल हुए यात्रियों के त्वरित व उत्तम उपचार हेतु एम्स पटना को निर्देश दिया गया है। मुझे बताया गया है कि गंभीर रूप से घायल यात्री एम्स में है और स्थिर हालत में हैं। केंद्र सरकार सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु प्रतिबद्ध है।

सतर्क रहने की जरूरत: केजरीवाल- केजरीवाल ने रेल हादसे पर जताया दुख दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को ट्रेन हादसे में लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए केंद्र को सतर्क रहने की जरूरत है।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री ने लिया जायजा

केटी न्यूज/डुमरांव

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी गुरुवार की सुबह रघुनाथपुर में दुर्घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे। इस दौरान करीब 40 मिनट तक घटनास्थल पर रहे। उन्होंने हादसे में मृत लोगों के प्रति शोक संवेदना प्रकट की। उन्होंने ईश्वर से सभी दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना की। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि कोई भी हादसा दुखदाई होता है, लेकिन बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस हादसे पर भी राजनीति सूझ रही है। वहीं भाजपा के जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों के कार्यों की सराहना की है। साथ ही कार्यकताओं का भी धन्यवाद किया है। वहीं उन्होंने घटना की जांच की मांग की है। भोला सिंह ने कहा कि पूरी रात वह घटना के संबंध में अपडेट लेते रहे।

रेल हादसे के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे ने देर रात को घटनास्थल का दौरा किया। केंद्रीय मंत्री ने हादसे से जुड़ी ताजा जानकारी साझा की है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उन्होंने घटना के बारे में जानकारी लेने के लिए कल रात अधिकारियों से दो बार बात की। इस घटना में चार लोगों की मृत्यु हुई है और 70-75 लोग घायल हुए हैं।

घटना के तुरंत बाद डीएम और एसपी ने संभाला मोर्चा

बक्सर। नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना प्राप्त होते ही जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल और पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे और आपदा प्रबंधन की कमान संभाली। जिला पदाधिकारी ने बक्सर जिला अंतर्गत सभी एंबुलेंस को तत्काल घटनास्थल पर आने का निर्देश दिया। साथ ही आसपास के जिलों आरा और रोहतास से समन्वय स्थापित करते हुए एंबुलेंस मंगवाया। जिला पदाधिकारी के निर्देश पर पीएचसी रघुनाथपुर में 25 डॉक्टर, एएनएम और सभी तरह की मेडिकल फैसिलिटी को तैयार रखा गया। उन्होंने सदर अस्पताल बक्सर में ब्लड बैंक में ब्लड की व्यवस्था, अन्य सभी तरह की आवश्यक तैयारी ,डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी को तैयार रहने का निर्देश दिया। गंभीर घायलों को एंबुलेंस से तत्काल एम्स रवाना किया गया। डीएम ने अनुमंडल अस्पताल डुमरांव और सभी आसपास पीएचसी के डॉक्टर व स्वास्थ कर्मियो को इमर्जेंसी में तैयार रहने का निर्देश दिया। जिला पदाधिकारी ने तत्काल एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीम को बुलाया।

घटना स्थल पर अग्निशमन दल, आरपीएफ, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, रेलवे कर्मी, रेलवे चिकित्सक आदि तत्काल पहुंचे। आपदा की इस घड़ी में स्थानीय जनता का पूरा सहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही निजी हॉस्पिटल ने भी सहयोग किया। जिला प्रशासन की ओर से जारी बयान के अनुसार बक्सर सदर अस्पताल में 12,अनुमंडल अस्पताल डुमरांव में 2, रघुनाथपुर पीएससी में 33, आरा में 4 ,जगदीशपुर में 4, पटना में 23 लोगों का इलाज चल रहा है। 4 मृतक की पुष्टि की गई है जिनमें से दो महिला असम एवं एक पुरुष किशनगंज के हैं।

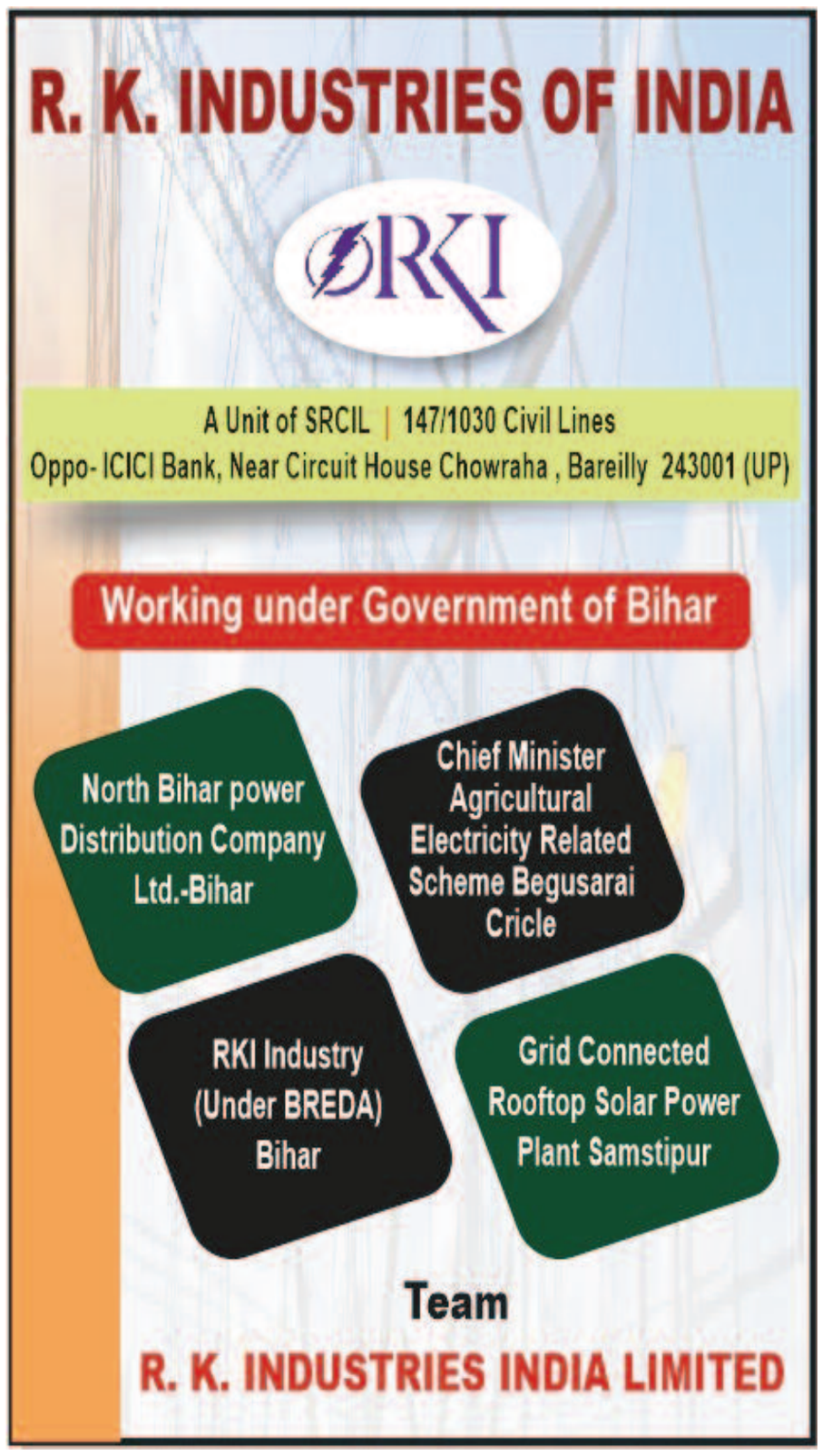

बागमती नदी पर बने पुल के टूटने से हुआ था हादसा, 800 लोगों की मौत

बिहार में 1981 को हुआ था सबसे बड़ा रेल हादसा

केटी न्यूज/पटना

भारत के बड़े ट्रेन हादसों में सबसे बड़ा बिहार का वह ट्रेन एक्सीडेंट है, जिसमें लगभग 800 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। मामला वर्ष 1981 है और तारीख 7 जून थी जब बिहार में भारत का सबसे बड़ा और विश्व का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेन हादसा हुआ था। यात्रियों से खचाखच भरी एक पैसेंजर ट्रेन मानसी से सहरसा के लिए जा रही थी, तभी बागमती नदी के पुल संख्या 51 से गुजरते वक्त हादसे का शिकार हो गई।

बागमती नदी में समा गई 7 बोगी: बागमती नदी पुल के टूटते ही पूरी ट्रेन नदी में समा गई थी। इस हादसे में करीब 800 लोगों की मौत हो गई थी। बताया जाता है कि ट्रेन के 7 डिब्बों में सवार कोई भी यात्री जीवित नहीं बचा था। स्थानीय लोगों के अनुसार, इसमें 1000 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और कई हफ्तों तक शवों की तलाश चलती रही।

रफीगंज में डीरेल हुई थी राजधानी: 10 सितंबर, 2002 को हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस बिहार में गया जिले के रफीगंज के पास धावा नदी पर बने पुल पर बेपटरी हो गई थी। इसके बाद कई डिब्बे नदी में गिर गए थे। इस ट्रेन हादसे में 130 से अधिक लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों की संख्या में लोग घायल हुए थे।

गैसोल ट्रेन दुर्घटना-एक दुखद याद: वर्ष 1999 में 2 अगस्त को बिहार की सीमा के पास पश्चिम बंगाल के गैसल में भी ट्रेन हादसा हुआ था। यहां ब्रह्मपुत्र मेल और अवध असम एक्सप्रेस की टक्कर हो गई थी. उत्तर रेलवे के कटिहार डिवीजन में हुए इस एक्सीडेंट में करीब 300 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर, 13 अक्टूबर 2023
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

स्थानीय लोगों ने पेश की इंसानियत की मिसाल

खुद की परवाह किए बिना की मदद, यात्रियों के लिए पानी, दूध, बिस्किट, चाय का किया इंतजाम

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

रघुनाथपुर स्टेशन पर नार्थ ईस्ट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद स्थानीय लोगों ने मानवता की मिसाल पेश की। घटना के दो मिनट बाद ही दर्जनों युवा घटना स्थल पर पहुंच गए थे तथा प्रशासन के पहुंचने के लिए पहले ही घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाने लगे। इस दौरान घायल यात्रियों को पीठ पर लाद, निजी वाहनों यहां तक की बाइक से भी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना स्थल पर अंधेरा छा गया था। जिसके बाद स्थानीय टेंट हाउस संचालक चिंटू कुमार ने अपना जेनरेटर चला प्रकाश की व्यवस्था की। जबकि सुरेश प्रसाद, गोलू कुमार, धीरज कुमार, पूर्व प्रमुख दीपक गुप्ता, अजित चौधरी, विजय चौधरी, मो इकबाल अंसारी, मो इकबाल, पंचायत के मुखिया अनिल कुमार राम, सरपंच प्रतिनिधि झुन्नु मिश्र, श्रीराम ओझा मेमोरियल ट्रस्ट के फाउंडर अध्यक्ष शैलेश कुमार ओझा, अखिलेश कुमार सरीखे सैकड़ो लोग हाथ में रामा, टार्च, सीढ़ी आदि लेकर पहुंचे तथा पलट चुकी एसी बोगी के शीशे को तोड़ जख्मी यात्रियों को बाहर निकाल रघुनाथपुर सीएचसी पहुंचाया।

पूरी रात जख्मियों के इलाज में सहयोग करते रहे पूर्व प्रमुख :

रघुनाथपुर अस्पताल में एक साथ पांच दर्जन अधिक जख्मी यात्री पहुंच गए थे। जिस कारण अस्पताल में मानव बल की कमी पड़ गई थी। इस दौरान स्थानीय युवाओं ने डाक्टरों के साथ मिल जख्मी मरीजों के मरहम पट्टी में सहयोग किया। स्थानीय बीडीसी तथा ब्रह्मपुर प्रखंड के पूर्व प्रमुख दीपक गुप्ता इस दौरान पूरी रात जख्मी मरीजों का मरहम पट्टी करते रहे तथा मरीजों के इलाज में डाक्टरों व मेडिकल टीम का सहयोग किया। उनके साथ कई अन्य युवा भी अस्पताल में डटे रहे।

फोटो : मनीष कुमार

चर्चा में रही ग्रामीणों की ईमानदारी

अक्सर लोग आपदा में अवसर की तलाश में लग जाते है। लेकिन बुधवार की रात रघुनाथपुर के पास डिरेल हुई नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस के बाद स्थानीय लोगों ने इंसानियत के साथ ही अपनी ईमानदारी से भी पीड़ितों तथा रेल प्रशासन का दिल जीत लिया। स्थानीय निवासी धीरज कुमार, सुरज प्रसाद, शैलेश ओझा, गोलू सिंह आदि ने बताया कि घटना के बाद बोगियों तथा उसके आस पास यात्रियों का सामान बिखरा पड़ा था। राहत व बचाव कार्य में लगे युवाओं तथा पंचायत प्रतिनिधियों का ध्यान यात्रियों की मदद के साथ इस बात पर भी रहा कि यात्रियों के सामान सुरक्षित रहे। स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने में यात्रियों के सामान को आरपीएफ तथा रेलवे की कमर्शियल टीम के पास जमा कराया। उन सामानों में आभूषण, नकदी, स्मार्ट फोन तथा अन्य कीमती सामान भी थे। बक्सर आरपीएफ के पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ग्रामीणों ने जो सामान जमा कराया है वह कमर्शियल टीम के पास सुरक्षित है।

कोई बांट रहा था बिस्कुट पानी तो कोई कर रहा था खाने का जुगाड़

घटना के बाद पूरी रात रघुनाथपुर के लोग तथा मेडिकल सहित अन्य जरूरी सामानों की दुकानें न सिर्फ खुली रही बल्कि दुकानदारों ने पीड़ित यात्रियों को निःशुल्क दवा, चाय, बिस्किट, पानी, भोजन तथा बच्चों के लिए दूध आदि की व्यवस्थाएं की। स्थानीय निवासी सह उत्क्रमित उच्च विद्यालय ओझा बरांव के प्रधानाध्यापक धीरज कुमार स्टेशन के पास स्टॉल लगा मुफ्त में पानी की बोतले तथा बिस्किट का वितरण किए।

जबकि सुरज प्रसाद, विजय चौधरी, गोलू कुमार आदि भी पानी, चाय आदि का वितरण कर यात्रियों को राहत पहुंचाते रहे। वही अखिलेश कुमार नाम युवक गांव में प्रत्येक घर जाकर खाना मांग कर भूखे यात्रियों को खिला रहे थे। अखिलेश ने बताया कि करीब 25-30 घरों से खाना मिला था। आलम यह था कि सुबह में किसी दुकान पर पानी की बोतलें, बिस्किट, मिक्चर आदि नहीं बचा था। स्थानीय लोगों तथा दुकानदारों के इस दिलेरी की चर्चा पीड़ित यात्रियों के साथ ही प्रशासनिक महकमें में भी हो रही थी।

ग्रामीणों की तत्परता व तत्काल प्राथमिक इलाज मिलने से कम हुई मौतें :

इस घटना के बाद ग्रामीणों ने जख्मी यात्रियों के लिए देवदूत की भूमिका निभाई। जख्मी यात्रियों को पलक झपकते ही अस्पताल पहुंचा तथा उनका प्राथमिक इलाज करवा ग्रामीणों ने उनकी जान बचाई। यही कारण है कि इतने बड़े हादसें में सिर्फ चार लोगों की मौत हुई है। वही इस मामले में रघुनाथपुर सीएचसी प्रबंधन की भूमिका भी सराहनीय रही। सीएस डा एससी सिन्हा, डा गोपाल कृष्ण, स्टाफ नर्स आदि पूरी रात जख्मी यात्रियों के इलाज में तत्पर रहे। जख्मी यात्रियों ने भी बताया कि प्रशासन के पहले स्थानीय लोग ही उनके लिए भगवान साबित हुए तथा उन्हें समय से अस्पताल पहुंचा उनकी जान बचाई। जख्मी यात्री राकेश कश्यप, दीपक, अमन गोप, बाडर समेत दर्जनों यात्रियों ने स्थानीय लोगों की इंसानियत तथा सहयोग की भावना की सराहना की।

तेज धमाका, आग की लपटें और मच गई चीख पुकार....

अरविंद चौबे/डुमरांव

- अंधेरे में मोबाईल की रौशनी से अपनों को खोजते रहे जख्मी यात्री, चेहरे पर था खौफ का मंजर

बुधवार की रात 9.53 बजे रघुनाथपुर स्टेशन के आस पास के घरों में रहने वाले लोगों को अचानक तेज धमाका सुनाई पड़ा। इस दौरान कई घर भी हिल गए। मानों भूकंप आ गया हो। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या चार के आग की तेज लपटें उठ गई तथा लोगों की चीख पुकार मच गई। सैकड़ो लोगों की चीख पुकार तथा धमाके की आवाज सुन लोगों को समझते देर नहीं लगी कि कोई ट्रेन डिरेल हुई है। इसके बाद स्थानीय निवासी दौड़े भागे यात्रियों की मदद के लिए पहुंचे। स्थानीय निवासी धीरज कुमार ने बताया कि नार्थ ईस्ट के डिरेल होने दो मिनट के अंदर ही हमलोग करीब 25 से 30 की संख्या में पहुंच गए थे। इस दौरान ट्रेन के यात्रियों में भगदड़ मची थी। लोग खौफ के मारे चिल्ला रहे थे।

इंजन के बाद लगे जेनरेटर यान से तेज लपटे उठ रही थी। स्टेशन परिसर तथा जहां तक बोगियां डिरेल हुई थी घुप अंधेरा पसर गया था। यात्री अंधेरे में ट्रेन से कूद भी रहे थे। वहीं अधिकांश यात्री अंधेरे में ही मोबाईल की रौशनी के सहारे अपनों की तलाश कर रहे थे। उनके सामान भी जहां तहां बिखरे पड़े थे। कई लोग जख्मी होकर चीख चिल्ला रहे थे। चारों तरफ खून के छींटे दिखाई पड़ रहे थे। मंजर इस कदर भयावह था कि देखने वालों की रूह कांप जा रही थी। पलक झपकते ही मदद व बचाव कार्य के लिए सैकड़ो ग्रामीण इकट्ठा हो गए थे। सूरज प्रसाद गुप्ता ने बताया कि ट्रेन डिरेल होने के दौरान ऐसा लगा मानों भूकंप का झटका महसूस हुआ है। वहीं, श्रीराम ओझा मेमोरियल ट्रस्ट के फाउंडर अध्यक्ष शैलेश ओझा की मानें तो धमाके की आवाज 2 से 3 किलोमीटर दूर तक सुनाई पड़ी थी।

क्रेन की सहायता से पटरियों से हटाई जाती बोगियां। फोटो: मनीष कुमार

एक झटके में उजड़ गया दीपक का परिवार आंखों के सामने हुई पत्नी व बेटी की मौत

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार की रात बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ नगरी ब्रह्मपुर के रघुनाथपुर में भयंकर रेल दुघर्टना हुई। जिसमें 63 लोग घायल हुए जबकि 4 लोगों की मौत हो गई। उसी में एक पुरा हंसता खेलता परिवार उजड़ गया। पीड़ित दीपक भंडारी ने बताया कि बुधवार की सुबह 7:40 बजे 12506 आनंद बिहार से कामख्या जाने वाली ट्रेन में सफर की शुरूआत की। उन्हें जलपाईगुड़ी जाना था। परन्तु होनी को कुछ और ही मंजूर था।

उन्होंने बताया कि ट्रेन चलने के पहले दो जुड़वा बेटी व पत्नी के साथ सेल्फी ली थी। सफर की शुरुआत की परन्तु अब उस तस्वीर में 2 लोग ही बचे हैं। इतना कहते ही दीपक फफक कर रो पड़ते है। यात्रा के दौरान दीपक भंडारी (39) अपनी पत्नी ऊषा भंडारी (33), जुड़वा बच्चियां आकृति (8) और अदिति (8) के साथ जा रहे थे। जब हादसा हुआ उस वक्त वो पत्नी व दोनों बेटियों के साथ खेल रहे थे।

पत्नी के साथ आखिरी सेल्फी...

- पत्नी और जुड़वा बेटी में एक की मौत के बाद दुसरे को मोबाईल में तस्वीर दिखा सांत्वना दे रहा था पिता
- दिल्ली में ट्रेन पर चढ़ने से ठीक पहले लिया था पूरे परिवार के साथ सेल्फी

उसी वक्त यह हादसा हुआ। बोगी पलटते ही खिड़की में लगा कांच टूट गया तथा पत्नी व एक बेटी बाहर गिर गई। जिसमें उनकी मौत मौके पर ही हो गई। वहीं घायल आदिति व दीपक का ईलाज चल रहा है। बेटी बार-बार मां और अपने बहन के बारे में पूछ रही थी तो पिता उसे मोबाईल में फोटों दिखा सांत्वना दे रहे है। जिसके बाद वह अपने पिता से लिपट कर रोने लग रही है। दीपक भंडारी बताते हैं कि वह दिल्ली बार में नौकरी करते हैं वहां से छुट्टियों में अपने गांव जलपाईगुड़ी जा रहे थे। दिल्ली स्टेशन पर पत्नी बच्ची के साथ सेल्फी ली उसके बाद सफर शुरू हुआ। देर रात हमलोग सोने ही जा रहे थे की ट्रेन रघुनाथपुर स्टेशन के पास पहुंची ट्रेन का बैलेंस बिगड़ा और पलटी मार दी। लेकिन, उन्हें क्या मालूम था कि उनका यह सफर अधूरा ही रह जावेगा तथा पूरे परिवार के साथ ली गई यह सेल्फी पत्नी व एक बेटी के लिए अंतिम सेल्फी साबित होगी।

डुमरांव विधायक ने सोशल मीडिया पर लिखा...

आखिर रघुनाथपुर में हुए भीषण रेल दुर्घटना का जिम्मेदार कौन?

डुमरांव। रघुनाथपुर में बुधवार की रात हुए नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन हादसे की सूचना मिलने के कुछ समय बाद ही डुमरांव विधायक व माले नेता अजीत सिंह कुशवाहा घटनास्थल पर पहुंचे और राहत कार्य में जुट गए। उन्होंने यात्रियों के बीच पानी, बिस्कुट और अन्य सामग्री का वितरण किया। साथ ही रघुनाथपुर पीएचसी में इलाजरत घायलों से मिलकर घटना की जानकारी ली। इसके साथ ही माले विधायक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए सवाल खड़ा किया है कि आखिर रघुनाथपुर में हुए भीषण रेल दुर्घटना का जिम्मेदार कौन? उन्होंने लिखा है कि इस पर बात होनी चाहिए।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि दुर्घटना की भीषणता और लोगों की बेबसी को कल रात मैंने बहुत करीब से देखा। जिन्होंने भी देखा उसने यही कहा कि यह बहुत भयानक था। केंद्र सरकार की वर्ल्ड क्लास रेलवे बनाने के तमाम दावे खोखले साबित हो रहे हैं। रेलवे के निजीकरण के दौर में कम कर्मचारियों से जैसे-तैसे काम कराया जा रहा है। कर्मचारियों की कमी और संसाधनों की लूट की वजह से रेल ट्रैक मेंटेन नहीं किया जा रहा है।

अप व डाउन लाइन क्लियर करने में पूरे दिन लगे रहे 300 से अधिक रेलकर्मी व अधिकारी

रघुनाथपुर रेल दुर्घटना के बाद पांच ट्रेनें रद्द, अप में 7 व डाउन लाइन की 12 ट्रेनों का रूट परिवर्तित

केटी न्यूज/बक्सर

पंडित दिनदयाल उपाध्याय-दानापुर रेलखंड पर बुधवार की रात 9 बजकर 53 मिनट पर डाउनलाइन पर 12506 आनंद विहार टर्मिनल-कामख्या (नॉर्थ ईस्ट) एक्सप्रेस के डिरेल होने से अप और डाउन लाइन में परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। जिसको लेकर भारतीय रेल और दानापुर रेलमंडल की ओर से कई ट्रेनों को रद्द किया गया। वहीं, अप और डाउन लाइन की कुल 17 ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया। पूर्व मध्य रेलवे ने अपने एक्स प्लेटफॉर्म (ट्विटर एकाउंट) के माध्यम से रद्द और रूट परिवर्तित ट्रेनों की सूची जारी की। जिसके तहत डाउन लाइन की 12 ट्रेनों, अप लाइन की सात ट्रेनों और पांच ट्रेन को रद्द किया गया।

जारी सूची के अनुसार डाउन लाइन में 15548 लोकमान्य तिलक-रक्सौल एक्सप्रेस को डीडीयू-सासाराम-आरा, 15945 लोकमान्य तिलक- डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस को डीडीयू-गया-आसनसोल, 20802 मगध एक्सप्रेस को डीडीयू-गया-पटना, 19483 अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस, 12362 सीएसएमटी-आसनसोल एक्सप्रेस को डीडीयू-सासाराम-आरा, 22450 न्यू दिल्ली-गुवहाटी एक्सप्रेस डीडीयू-गया-धनबाद-आसनसोल, 15657 ब्रह्मपुत्रा एक्सप्रेस को डीडीयू-गया-क्यूल, 19313 इंदौर-पटना एक्सप्रेस, 12791 सिकंदराबाद-दानापुर एक्सप्रेस को डीडीयू-सासाराम-आरा, 13240 कोटा-पटना एक्सप्रेस को डीडीयू-गया-पटना, 11123 ग्वालियर बरौनी को डीडीयू-सासाराम-आरा- पाटलिपुत्र-हाजीपुर के रूट से गणत्वय तब भेजा गया।

फोटो : मनीष कुमार

अपलाइन की डायवर्टेड ट्रेन

वहीं, सूची के अनुसार अपलाइन की 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक ट्रेन को आरा-सासाराम-डीडीयू, 13239 पटना कोटा एक्सप्रेस को पटना-गया-डीडीयू,12792 दानापुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस को आरा-सासाराम-डीडीयू रूट से रवाना किया गया। दानापुर-बेंगलुरु एक्सप्रेस को रिशेड्यूल किया जाएगा। वहीं, अप में 20801 मगध एक्सप्रेस पटना-गया-डीडीयू, 12309 राजधानी एक्सप्रेस को पटना-गया-डीडीयू व 12393 संपूर्णक्रांति एक्सप्रेस को पटना-गया-डीडीयू से ले जाया गया। वहीं, दूसरी ओर 03230 पटना-पूरी एक्सप्रेस स्पेशल, सासाराम-आरा पैसेंजर, 03617 आरा-भभुआ पैसेंजर, 03203 पटना डीडीयू पैसेंजर व 03375 पटना बक्सर पैसेंजी ट्रेन को रद्द किया गया।

पूरे दिन चलता रहा मेंटेनेंस का कार्य

बुधवार की रात हुए हादसे के बाद पूरी रात राहत और बचाव कार्य में स्थानीय ग्रामीण, जिला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरफ, एसडीआरएफ व रेल कर्मियों का दल लगा रहा। दुर्घटना से अप और डाउन लाइन पर पड़ी नार्थ-ईस्ट की बोगियों के कारण रेल परिचालन पूरी तरह से ठप हो चुका था। उसके बाद गुरुवार की सुबह से ही दानापुर रेल मंडल और पूर्व मध्य रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी मेंटेनेंस कार्य में जुट गए। बड़ी-बड़ी क्रेनों की मदद से पटरियों पर पलटी और डिरेल हुई बोगियों को ट्रैक से हटाया गया। देरशाम तक ट्रैक से बोगियों को हटा लिया गया। जिसके बाद शाम से ट्रैक मेंटेनेंस का कार्य शुरू हुआ। रेल सूत्रों के अनुसार शुक्रवार से दोनों अप और डाउन दोनों लाइन्स पर परिचालन शुरू हो जाएगा।

सोशल मीडिया पर वायरल हुई घटना

सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुई। जिसका परिणाम था कि रात में ही जिले के सभी राजनैतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा सामाजिक कार्यकर्ता घटना स्थल पर पहुंच गए तथा अपने स्तर से राहत व बचाव कार्य में प्रशासन का सहयोग करते रहे। मिली जानकारी के अनुसार डुमरांव के चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता व रेल यात्री कल्याण समिति अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह, भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दीपक यादव, शक्ति राय, प्रताप सागर के कृष्णा शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष भोला सिंह, चौगाईं जिप सदस्य अरविंद प्रताप शाही उर्फ बंटी शाही, जदयू के संजय सिंह राजनेता, उदय उज्जैन समेत सैकड़ो सामाजिक कार्यकर्ता घटना स्थल पर मौजूद हो अपने अपने स्तर से पीड़ितों की सहायता करते रहें।

रेलवे ने बारी-बारी से कई फेरों में चलाई ट्रेन

हादसे के बाद मौके पर फंसे यात्रियों को रघुनाथपुर से दानापुर तक पहुंचाने के लिए रेलवे की ओर से बारी-बारी से कई फेरों में ट्रेन चलाई गई। दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन से सभी यात्रियों को मेमो ट्रेन से आरा स्टेशन पहुंचाया गया। इसके बाद से उन्हें वहां से दानापुर लाया गया, जहां से दूसरी ट्रेन में बैठाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक भेजा गया। रेलवे के अनुसार यात्रियों के लिए दानापुर से राहत सामग्री लेकर एक ट्रेन को रघुनाथपुर भेजा गया।

फिर ब्लैक डे बना 11 अक्टूबर...

ब्रह्मपुर के लिए 11 अक्टूबर की तारीख फिर से ब्लैक डे साबित हुआ है। बुधवार अक्टूबर की रात रघुनाथपुर स्टेशन के पास बड़ा रेल हादसा होने से लोगों को 11 अक्टूबर 2010 को ब्रह्मपुर के दल्लुपुर गांव के पास गंगा के भागड़ में एक नाव पलट गई थी। जिसमें 43 लोगों की मौत हो गई थी। यह हादसा आज भी जिले का सबसे बड़ा नाव हादसा है। इस घटना के 13 साल बाद एक बार फिर से इसी तारीख को रघुनाथपुर में रेल हादसा हुआ है। जिससे लोगों के जेहन में नाव हादसा की यादें ताजा हो गई। वहीं लोग 11 अक्टूबर की तारीख को ब्लैक डे बता रहे थे।

♦11 अक्टूबर 2010 को दल्लुपुर के पास हुआ था जिले का सबसे बड़ा नाव हादसा, 43 लोगों की हुई थी मौत

बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ की कृपा से बच गईं सैकड़ों जानें

संजय कुमार/डुमरांव

♦अगर दूसरे ट्रैक से अन्य ट्रेन गुजरती तो होती अधिक मौतें

दानापुर डिविजन के रघुनाथपुर में बुधवार को हुए रेल हादसे में चार यात्रियों की जान चली गई, वहीं 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। रेल हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें ट्रेन की दो बोगी पलट गई थी, वहीं 21 बोगी पटरी से उतर गई थी। हादसा इतना जबरदस्त था कि एक बोगी तो 90 डिग्री के एंगल में घूम गई थी।

वहीं उसके साथ की तीन से चार बोगी आपस में सट गई थी। इतना भीषण हादसा होने के बाद भी जानमाल की कम से कम क्षति होने को स्थानीय लोग बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ की कृपा बता रहे हैं। कैथी पंचायत के मुखिया कुंदन सिंह, पोखरहां पंचायत के मुखिया श्री भगवान सिंह, पूर्व सरपंच ललन सिंह, अनिल कुमार, विंदेश्वरी सिंह, पोखरहां सरपंच काशीनाथ व अन्य ने कहा कि हादसा जितना भीषण था, उसकी तुलना में जानमाल की क्षति न के बराबर हुई है। यह कहीं न कहीं बाबा भोलेनाथ व ब्रह्मेश्वर नाथ की कृपा के कारण ही हुआ है। उन्होंने कहा कि हादसे के दौरान ही अगर विपरित दिशा से कोई अन्य ट्रेन गुजरती तो उड़िसा के बालासोर जैसी बड़ी घटना हो सकती थी। हालांकि यह भोलेनाथ की ही कृपा रही कि घटना में महज चार लोगों की ही जान गई।

रेलवे स्टाफ के साथ चर्चा करते स्थानीय मुखिया। फोटो: मनीष कुमार

हादसे के कारण पूरे दिन बंद रहा रघुनाथपुर बाजार, व्यवसाय प्रभावित

केटी न्यूज/डुमरांव

बुधवार की रात ट्रेन दुर्घटना के कारण अगले दिन रघुनाथपुर बाजार पूरी तरह बंद रहा। स्टेशन के आसपास की अधिकतर दुकानों के शटर डाउन रहे। हालांकि इक्का दुक्का राशन, चाय-पान की दुकानें खुली रहीं। मेडिकल दुकानें आम दिनों की तरह ही खुली थीं। बाजार में लोगों की भीड़ जमा थी लेकिन यह भीड़ रेलवे की ओर से जारी ट्रेन की बोगी को ट्रैक से हटाने और मरम्मत कार्य को देखने के लिए जुटी थी। कई बार स्थिति ऐसी भी बनी कि प्रशासन को भीड़ न लगाने की अपील करनी पड़ी।

फोटो : मनीष कुमार

पूरी तरह बाधित रहा वाहनों का आवागमन

ट्रेन दुर्घटना के कारण बुधवार की रात से लेकर गुरुवार को पूरे दिन ब्रह्मपुर एकरासी पथ पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। रेलवे की ओर से चलाए जा रहे राहत कार्यों के कारण रघुनाथपुर क्रॉसिंग पर बैरिकेडिंग की गई थी। इस दौरान न तो लोगों को आने-जाने दिया जा रहा था, न ही वाहनों को इस ओर से लाने-ले-जाने की अनुमति थी। आवागमन बाधित रहने के कारण इस रास्ते से होकर जानेवाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई वैसे लोग जिन्हें इस घटना की जानकारी नहीं हो सकी थी, वो जब अपने वाहन लेकर रघुनाथपुर पहुंचे तब उन्हें वहां से दूसरे मार्ग से जाना पड़ा।

घटना के बाद सबसे पहले पहुंचे बक्सर जिलाधिकारी

डुमरांव। इस घटना के बाद सबसे पहले बक्सर डीएम अंशुल अग्रवाल घटना स्थल पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के 45 मिनट बाद ही डीएम बिना किसी स्कॉट के घटना स्थल पर पहुंच राहत व बचाव कार्य का नेतृत्व करने लगे। उनके पीछे एसपी मनीष कुमार, डुमरांव एसडीओ कुमार पंकज, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी, ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार, आरपीएफ बक्सर के पोस्ट प्रभारी दीपक कुमार, शाहाबाद रेंज के डीआईजी नवीन चंद्र झा समेत बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, पटना आदि जिलों के पुलिस पदाधिकारी तथा सैकड़ो की संख्या में पुलिस के जवान पहुंच गए थे। आरपीएफ और एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर राहत बचाव कार्य कर रही थी। इस घटना में जिला प्रशासन, पुलिस महकमा तथा रेल प्रशासन की तत्परता की तारीफ हो रही है।

रेलवे की लापरवाही के कारण हुई घटना, सीबीआई जांच हो: पूर्व मंत्री

डुमरांव। राजद के पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम गुरुवार की शाम ब्रह्मपुर विधायक शंभुनाथ यादव, राजद नेता अखिलेश सिंह व अन्य नेताओं के साथ रघुनाथपुर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रशासन से रेल मार्ग को जल्द से व्यवस्थित करने का अनुरोध किया। घटना के संबंध में उन्होंने कहा कि रेल हादसे की खबर सुनकर बहुत मर्माहत हूं। घटना रेलवे की बड़ी लापरवाही का नतीजा है। इस घटना की जांच सीबीआई से होनी चाहिए। इस घटना में जो भी दोषी हैं, उन पर कार्रवाई हो। उन्होंने रेल हादसे में जान गंवानेवाले यात्रियों के परिजन को 50-50 लाख और घायलों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग रेलवे से की है। उन्होंने स्थानीय लोगों द्वारा चलाए गए बचाव व राहत कार्य की प्रशंसा की।

जिला प्रशासन ने जारी की 70 जख्मी यात्रियों की सूची

बक्सर। घटना के अगले दिन जिला प्रशासन ने जख्मी लोगों की सूची जारी की। जिसमें शंकर सिंह मुरैना, जूली सिंह मुरैना, रविकांत सिंह नासरीगंज, चितरंजन कुमार धोधा, मो. फैजान यमुना नगर (हरियाणा), मो. शमिर सारणपुर (यूपी), रविन्द्र राज मेरापुरी (ग्रैपुर), तरुण वर्मन न्यू गूंज वियर (सिलिगुड़ी के बाद), राजेश लोको पायलट मुगलसराय, सफेर अली नरबली बरदैया, निबंध मंडल रामायणपुर, दयानंद कुमार, सुधीर यादव सहरसा, अजय वर्मन रायगंज, सुबीर साहू त्रिपुरा, दुर्गा कुमारी मुजफ्फरपुर, फतलक चंद राय राधिकापुर, सूरज राय जगडाला, गौतम बोरा नौगांव, अजित राय संत रविदास नगर, जगनारायण चौधरी गुवहाटी, अरूण कुमार जम्मू, अजित कुमार दोही, सुब्रोत सरकार मकोल (बंगाल), फोटीका चंदू राय मकोल (बंगाल), सुजन राय जदला (बंगाल), नीरपीन जदला (बंगाल), प्रदीप निलाद (हरिणया), जूली कटीहार, इसलाहुर रहमान दिल्ली, अब्दूल माली मिजनी (आसाम), विकास महतो मिजनी (आसाम), रवि शंकर, किरण देवी कटीहार, पंकज कुमार बंगाल, प्रदुम कुमार प्रतापगढ़, लाल बाबू मधुबनी, मो. नासिर, मुकेश कुमार मधुबनी, रवाना मुंडन सिलिगुड़ी, रूद्धा कुमारी, सिराजुल इस्लात रेलवे स्टाफ गदरमिनी, संतोष वर्मा कुच विहार, मुक्ति राम वर्मा कुच विहार, रिया काला कुच विहार, अनुभाई वर्मा कुच विहार, सुबास पश्चिम बंगाल, बड़का राय पश्चिम गंगाल, मो. अफोर मिल्की मुहल्ला आरा, शनी कुमार जेल रोड आरा, प्रमोद कुमार रेलवे स्टाफ बिहिया आरा, शिवशक्ति सिंह सरथुआ, दयानंद कुमार अलाड़ी, सुदीप रविदास पश्चिम बंगाल, अमित ग्योर दार्जलिंग, रवि कुमार मैनपुरी, जरदुल अहमद पश्चिम बंगाल, शबनम पूर्णिया, कार्तिक यादव सतना एमपी, विवेक कुमार इटावा, देवंती देवी बलिया, राकेश कुमार बलिया, सत्यनारायण गुप्ता बलिया, राकेश कुमार मुगलसराय, वेदप्रकाश प्रजापति मिजार्पुर, तनु शर्मा कटीहार, निशांत सिन्हा जहानाबाद व हिमांशु शर्मा कटीहार शामिल हैं। जिनका इलाज विभिन्न स्थानों पर चल रहा है।

आश्रितों को रेलवे ने 10-10 लाख व राज्य सरकार ने दिया 4-4 लाख का मुआवजा

केटी न्यूज/बक्सर

रेलवे ने नार्थ ईस्ट टेज्न हादसें की घटना को दुर्भायपूर्ण बताया है। मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रूपए तथा घायलों को इलाज के लिए 50-50 हजार रूपए दिए गए। वही राज्य सरकार ने भी सभी मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रूपए दिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश पर गुरुवार को रेल हादसें में मरे लोगों के परिजनों को 4-4 लाख डीएम अंशुल अग्रवाल ने दिया है। जबकि चौथे के परिजन के आने का इंतजार हो रहा है।

जानकारी के अनुसार शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पुराना सदर अस्पताल) सिविल लाइन बक्सर में आपदा प्रबंधन विभाग के राज्य आपदा रिस्पांस कोष से चार-चार लाख रुपए की दुर्घटना अनुग्रह अनुदान राशि प्रदान की गई।

चेक देते डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी मनीष कुमार सिंह व एडीएम

इस दौरान मृतक उषा भंडारी एवं आकृति भंडारी के आश्रित उषा भंडारी के पति दीपक भंडारी को कुल 19 लाख रूपए का चेक तथा 1 लाख रुपए नकद राशि दिया गया। वही राज्य सरकार के तरफ से भी उन्हें चार लाख का चेक मिला है। मृतक अबू जायद के आश्रित माता खुशेदा बेगम के नाम से मृतक के ममेरे भाई जफरूल इस्लाम को 9.5 लाख का चेक व 50 हजार रुपए नकद राशि प्रदान दी गई। वहीं मृतक नरेंद्र कुमार के आश्रित के आने पर मुआवजे की राशि का चेक दिया जाएगा। नरेंद्र कुमार के आश्रित राजस्थान से बक्सर के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। सभी मृतक के आश्रितों को तत्काल मृत्यु प्रमाण पत्र भी दे दिया गया है।

डीएम अंशुल अग्रवाल ने बताया कि घायलों को भी 50-50 हजार रूपए दिया गया है। बता दें कि इस हादसें में चार की मौत हुई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए है। इस हादसे में अपनी पत्नी तथा एक बेटी को गंवाने वाले दीपक भंडारी के आंसू चेक लेने के दौरान थमने का नाम नहीं ले रहा था। मुआवजे का मरहम उनके दर्द को कम करने के बजाय और बढ़ा रहा था। दृष्टव्य है कि वे दिल्ली से अपनी पत्नी तथा दो बेटी के साथ चले थे। लेकिन हादसें ने पत्नी तथा एक बेटी को छिन लिया।

गार्ड को भी नहीं मालूम हादसे की वजह

डुमरांव। नॉर्थ ईस्ट ट्रेन के गार्ड विजय कुमार की मानें तो रघुनाथपुर स्टेशन पहुंचने के साथ ही अचानक झटका लगा। ऐसा लगा कि जैसे हमें अपनी सीट से फेंका गया हो... उस समय ट्रेन की गति 100 किमी से अधिक थी। जब तक खड़े होते, तब तक ट्रेन दुर्घनाग्रस्त हो गई थी। हादसा के कारण के बारे में गार्ड ने बताया कि इसका जवाब सिर्फ ड्राइवर ही दे सकता है कि एक्सीडेंट कैसे हुआ।

कंपनी को जानकारी तक नहीं, खोला जा रहा था टॉवर, सात हिरासत में

केसठ में टॉवर चुराने का अजीबो गरीब मामला आया सामने, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/केसठ

केसठ में पिछले दो दिनों से एक टॉवर को चोरी की नियत से खोला जा रहा था। तीसरे दिन जिनके जमीन में टॉवर लगा था उन्हें शक हुआ तथा उन्होंने कंपनी अधिकारियों से बात की तो माजरा चोरी का निकला। इसके बाद स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टॉवर खोल रहे सात लोगों को हिरासत में ले पूछताछ कर रही है। समाचार लिखे जाने तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं कराया गया था। लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार केसठ के राजेश दूबे के मकान में एअरसेल कंपनी का एक टॉवर लगा था। मंगलवार से ही यूपी के मेरठ से आए सात मजदूर इस टॉवर को

खोल रहे थे। मकान मालिक उनसे एग्रीमेंट के तहत अपने बकाए पैसे की मांग कर रहा था। मजदूरों ने उनका एकाउंट नंबर भी लिया था तथा किसी सहवाज नाम के ठेकेदार से बात कराया था। लेकिन जब तीसरे दिन भी जमीन मालिक का पैसा नहीं मिला तो उन्हें शक हुआ तथा कंपनी के अधिकारियों से बात की तो कंपनी अधिकारियों ने टॉवर खोले जाने से अनभिज्ञता जताई। इसके बाद राजेश ने इसकी सूचना पुलिस को दी जबकि कंपनी ने क्लस्टर इंजिनियर अजित कुमार को मौके पर भेजा। फर्जी तरीका से टॉवर खोलने के नाम पर चोरी की यह वारदात जंगल की आग की तरह पूरे गांव में फैल गई। ग्रामीणों ने टॉवर खोल रहे सात मजदूरों को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। हालांकि मजदूर खुद को बेकसूर बता मेरठ के ही सहवाज नाम के किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें टॉवर खोलने के लिए भेजने की बात बता रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार केसठ गांव स्थित ब्रह्म बाबा मंदिर के समीप एटीसी कंपनी ने वर्ष 2010 में टॉवर लगाया था। जिस पर एयरसेल का नेटवर्क का संचालन किया जा रहा था। एयरसेल कंपनी वर्ष 2017 में ही बंद हो गई। घटना स्थल पर उपस्थित लोगों को जब पता चला कि गांव में खुल रहे टॉवर को किसी चोर गिरोह द्वारा खोला जा रहा है तो मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ गई। पकड़े गए सभी अपने को उतर प्रदेश के मेरठ शहर का बता रहे है। वही इन सातों के पास से उतराखंड उत्तराखंड नंबर की चार पहिया वाहन भी बरामद किया गया है। उन्हें हिरासत में लेने के बाद से पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। कंपनी के अधिकारियों के आने कें बाद ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने की बात बताई जा रही है। गौरतलब है कि इसके पहले मुजफ्फरपुर में टॉवर चोरी की घटना हो चुकी है। बक्सर जिले में टॉवर चुराने की यह पहली घटना है। जिससे टॉवर संचालकों में भय बना हुआ है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष

केसठ में कंपनी की जानकारी के बिना टॉवर चुराने की जानकारी मिली। इस मामले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। अभी तक कंपनी अधिकारियों ने एफआईआर दर्ज नहीं कराया है। वैसे मामले की जांच की जा रही है। **- राजीव रंजन राय, थानाध्यक्ष, नावानगर**

नावानगर में बिजली चोरी में मामले में पांच पर दर्ज हुई प्राथमिकी

नावानगर। सोनवर्षा ओपी के गिरिधर बरांव गांव में बिजली चोरी के खिलाफ बिजली कंपनी के अधिकारियों ने जांच अभियान चलाया। जिसमें मीटर बाईपास एवं टोका फंसाकर बिजली जलाते पांच लोगों को जेई संदीप कुमार शुक्ला ने पकड़ा। सभी पर जेई ने जुमार्ना की राशि निर्धारित कर सोनवर्षा ओपी में एफआईआर दर्ज कराया है। जेई ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी , कि गिरिधर बरांव गांव में बिजली चोरी का खेल चल रहा है। सूचना पर जेई ने एक टीम गठित कर उक्त गांव में बिजली जांच अभियान चलाया। इस अभियान में उमीर्ला देवी, सुलक्षणा देवी रीना देवी सुदामा सिंह सुदर्शन सिंह चोरी से बिजली जलाते पकड़े गए। जिसके बाद जेई ने उर्मिला देवी पर 17525 रुपए, सुलक्षणा देवी पर 16927 रुपए, रीना देवी पर 16557 रुपए, सुदामा सिंह पर 16736 रुपए एवं सुदर्शन सिंह पर 22246 रुपए की जुमार्ना लगाते हुए सोनवर्षा ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

मासूम को गोद में उठा स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए डुमरांव एसडीएम

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के एसडीएम कुमार पंकज बुधवार को एक प्रशासक के साथ-साथ नेक दिल इंसान की भूमिका में भी नजर आए। दरअसल बुधवार की रात रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन पर हुई नार्थ ईस्ट ट्रेन दुर्घटना के बाद एसडीएम तत्काल मौके पर पहुंच आपदा व प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल ली थी। इस दौरान वह घायल यात्रियों को अस्पताल पहुंचाने में लगे हुए थे।

इन्हीं घायलों में से एक मां के साथ एक तीन माह का मासूम भी जख्मी हो गया था। मां बेहोशी की हालत में होने के कारण बच्चा बिछड़ गया था। इसी दौरान प्रशासन के लोगों ने मां को रघुनाथपुर स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए दाखिल कराया। इलाज के दौरान जैसे ही उसे होश आया तो वह अपने मासूम को आस पास नहीं पाकर कर बिलखने लगी। जैसे ही इस बात की जाानकारी डुमरांव एसडीएम कुमार पंकज को लगी वह बिना किसी देर किए खुद बच्चे को गोद में उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और मासूम को उसकी मां को सौंप दिया। बच्चे को अपनी गोद में पाकर महिला का चेहरा खुशी से खिल उठा। उसने एसडीएम को धन्यवाद दिया।

पति की मृत्यु के बाद श्रीकृष्ण ने की मीरा की रक्षा

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति बक्सर के तत्वावधान में रामलीला मंच पर चल रहे 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के छठवें गुरुवार को वृंदावन श्रीधाम से पधारे श्री नंद नंदन रासलीला एवं रामलीला मंडल के स्वामी श्री करतार ब्रजवासी के निर्देशन में कृष्ण लीला मंचन के दौरान मीराबाई चरित्र का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि मीराबाई के नगर राजस्थान के मेड़ता गाँव में संत रैदास जी आते हैं. मीराबाई अपने माँ के साथ संत के सत्संग में जाती है। वहां संत के पास गिरिधर गोपाल को देखकर आकर्षित हो जाती है। वह संत से उस गिरिधर गोपाल की मूरत को मांगने जाती है। परन्तु रैदास जी देने से इंकार कर देते हैं।सत्संग से घर लौटने के बाद मीराबाई उस गिरिधर गोपाल की मुर्ति पाने के लिए अन्न जल का त्याग कर देती है। उधर रात्रि में संत को स्वप्न में गोपाल आते हैं और कहते हैं कि मेरी मूरत मीराबाई को दे दो अन्यथा मैं नाराज हो जाऊंगा। संत जागृत अवस्था में आते है और मीराबाई के यहां जाकर अपने गिरिधर गोपाल को सौंप देते हैं। मीराबाई गोपाल को पाकर बहुत प्रसन्न होती है। समयानुसार मीराबाई का विवाह मेवाड़ के महाराज भोजराज से होता है। भोजराज मीरा को घर लेकर आते हैं। कुछ दिन पश्चात भोजराज का स्वर्गवास हो जाता है। उसके बाद मीरा गोपाल की भक्ति में तल्लीन हो जाती है और संतों के साथ नाचते- गाते संकीर्तन करने लगती है। इस तरह करते देखकर भोजराज के छोटे भाई विक्रम सिंह मीरा से इर्श्या करने लगते हैं। और उनको तरह तरह की यातना देने लगते हैं। मीरा के गोपाल की चोरी करवाई जाती है, मीरा को सर्प से कटवाया जाता है, जहर पिलाया जाता है, मीरा को भूतों के महल में भेजकर मारने का प्रयास किया जाता है। लेकिन गोपाल सब जगह मीरा की रक्षा करते हैं। यह देख विक्रम सिंह घबरा जाता है और अंत में मीरा से क्षमा मांगता है। फिर मीराबाई भक्ति करने वृंदावन धाम चली जाती है, वहां गिरिधर गोपाल उन्हें दर्शन देते हैं। उक्त लीला का दर्शन कर श्रद्धालु भाव विभोर हो जाते हैं।

चोरी की दो बाइक बरामद, युवक धराया

नावानगर। सिकरौल पुलिस ने सतुहड़ी गांव के एक घर से चोरी की दो बाइक बरामद किया है। साथ ही घर के युवक आकाश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष बिरेंद्र प्रसाद ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि सतुहड़ी गांव निवासी आकाश यादव के पास चोरी की बाइक है। सूचना पर पुलिस ने गांव के चिन्हित घर पर छापेमारी की। इस दौरान उनके घर से दो बाइक बरामद की गई, दोनो बाइक का कोई कागजात उसने प्रस्तुत नहीं किया । युवक ने बताया कि दोनों बाइक चोरी की है। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

जनसंवाद में रेल हादसे में मरे लोगों को दी गई श्रद्धांजलि

- डीएम की अनुपस्थिति में डीडीसी ने चौसा में किया जनसंवाद
- किसानों से की अपील- रसायन खाद का प्रयोग को छोड़, जैविक खेती पर जोर दें

केटी न्यूज/बक्सर

गुरुवार को चौसा प्रखंड परिसर में प्रशासन चला गांव की ओर कार्यक्रम के तहत जनसंवाद आयोजित किया गया। जिसमें रेल दुर्घटना के कारण डीएम अंशुल कुमार की जगह डीडीसी डा महेंद्र पाल पहुंचे। जहां सर्वप्रथम रेल दुर्घटना में जान गंवाने वाले यात्रियों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया। जन संवाद में अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्र ने उपस्थित लोगों को सरकार की चल रही योजनाओं से रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि सरकार जन्म से पहले व मृत्यु के बाद तक लाभुकों के लिए योजनाएं संचालित करती है। जन्म लेने से पहले मातृत्व लाभ, मातृ वंदन योजना, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, मनरेगा, उधमी रोजगार योजना अनेकों पेंशन योजना व अंत मे कबीर अंत्येष्टि योजना से लाभुकों को लाभ देती है।

वहीं डीडीसी ने कहा चौसा जिला एक कृषि प्रधान क्षेत्र है। उन्होंने किसानों से कहा कि अब रसायन खाद के प्रयोग को छोड़ दे। लोगो से अपील की जैविक खेती पर जोर दिया जाय। जिससे शुद्ध पैदावार तो होंगे ही इससे स्वाथ्य भी बेहतर होगा। जिला लोक शिकायत पदाधिकारी किशोरी चौधरी ने लोक शिकायत से आवेदन करने की जानकारी व निवारण की विस्तृत जानकारी दी। मुखिया संघ की अध्यक्ष हेमा देवी ने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम एक अच्छी पहल है। जिससे जनता से अधिकारियों का सीधे संपर्क होना है। नगर पंचायत चौसा की चेयरमैन किरण देवी ने नगर क्षेत्र के वार्ड 10 में जमे पानी की निकासी की समस्या व स्टेशन मार्ग की जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की वही सभी वार्ड पार्षदों साक्षरता भवन को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। जबकि, प्रमुख सुनीता राय ने जनसंवाद कार्यक्रम को जनता के हित में बताया। इस मौके पर विभिन्न विभाग के 25 स्टाल लगाए गए थे। जहा आम जन अपनी समस्या के निराकरण हेतु शिकायती आवेदन दिए जाते रहे। अंत धन्यवाद ज्ञापन बीडीओ अशोक कुमार ने की। वही अंत मे पहुंचे सदर विधायक संजय तिवारी ने योजनाओं से लाभवनित लाभुकों के बीच आवास, राशन कार्ड, गोल्डन कार्ड व चेक वितरण किया गया। जिसमे 24 लाभुकों व जीविका के उत्थान के लिए चेक दिया गया। मौके पर डीएसपी धीरज कुमार, सीओ बृजबिहारी कुमार के अलावे विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

GYAN JYOTI PUBLIC SCHOOL
RUPSAGAR
Affiliated to CBSE NEW Delhi (10+2)
Rupsager, Main Road, Nawangar Buxar (Bihar)
Cantact No - 6200727438, 7004289776, 7654245005 | Email - gips2011@ Yahoo.in, gyanjyotipublicschool.in

विद्यालय में छात्रों के लिए अत्याधुनिक सुविधा

- असम, बंगाल व दार्जिलिंग के कुशल एवं प्रशिक्षित शिक्षक
- स्मार्ट क्लासेज आडियो एवं वीडियो से कक्षाओं का संचालन
- अत्याधुनिक विज्ञान व कंप्यूटर की प्रयोगशालाएं
- सुव्यवस्थित पुस्तकालय
- खेलकूद, योग, नैतिक शिक्षा व शारीरिक शिक्षा का कुशल ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण
- बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक क्लास सीसीटीवी कैमरे से लैस
- बच्चों के लिए हैप्पीनेस क्लासेज
- कराटे व स्काउट एंडगाइड का कुशल ट्रेनर द्वारा प्रशिक्षण

गोवंशों की संख्या के आधार पर करें भूसे व चारे की व्यवस्थाः डीएम

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने ढेकुलिया घाट के समीप स्थित अस्थाई गो आश्रय स्थल नगर पालिका परिषद का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर लगभग 10 कुंतल भूसा मिला। इसके अलावा हरे चारे एवं चोकर की उपलब्धता नहीं मिली। स्टॉक रजिस्टर भी मौके पर नहीं मिला। गो आश्रय स्थल में कुल 90 गोवंश संरक्षित है, जिसमें कुछ गोवंश बेहद कमजोर एवं बीमार थे एवं कुछ गोवंशों का ईयर टैगिंग भी नहीं किया गया था। गो आश्रय स्थल की साफ सफाई भी ठीक अवस्था में नहीं थी। जानवरों के मल मूत्र के निकासी हेतु उचित व्यवस्था न होने के कारण वहां गंदगी भी थी।

जिलाधिकारी ने गो आश्रय स्थल पर गोवंशों की संख्या को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में भूसे एवं हरे चारे की उपलब्धता न होने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को उपभोग प्रमाण पत्र के अनुसार प्रेषित धनराशि के सापेक्ष भूसा, गुड़ एवं चोकर की उपलब्धता का मिलान करते हुए शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। निराश्रित गोवंशों के लंपी वायरस के टीकाकरण सहित अन्य टीकाकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए जिलाधिकारी ने कमजोर एवं बीमार पशुओं की प्रतिदिन जांच कर इलाज करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कुछ पशुओं की ईयर टैगिंग नहीं होने पर उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकार को कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल समस्त पशुओं के ईयर टैगिंग करने के निर्देश दिए। एक पशु की अत्यंत दयनीय स्थिति के कारण उन्होंने केयरटेकर को कड़ी फटकार लगाते हुए उसका विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। अन्यथा की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

उन्होंने पशु चिकित्सा अधिकारी को पशुओं के स्वास्थ्य जांच कार्यों का रिपोर्ट प्रस्तुत करने को भी कहा। गो आश्रय स्थल पर निर्धारित पशु संख्या से अधिक पशुओं की उपस्थिति के दृष्टिगत उन्होंने पास के खाली मैदान पर उनके रहने हेतु अस्थाई निर्माण करने के निर्देश अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को दिए। इसके अलावा पशुओं के मल मूत्र की बेहतर निकासी व्यवस्था हेतु समस्त आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को दिए गए। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद दिनेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारिय एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एक नजर

पुलिस के हत्थे चढ़ा गांजा तस्कर

बलिया। दोकटी पुलिस टीम द्वारा गुरुवार की दोपहर कोड़रहां ढ़ाला के पास से मुखबिर की सूचना पर अवैध गांजा की तस्करी करने वाले एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। गांजा तस्कर के झोले से तलाशी में 1150 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गांजा को कब्जे में लेकर तस्कर को दोकटी थाना लाकर संगत धाराओं में निरुद्ध करने न्यायालय के लिए चालान कर दिया गया। थानाध्यक्ष मदन पटेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि गांजा लेकर गांजा तस्कर बिहार से आ रहा है। सूचना पर विश्वास करते हुए कोड़रहां ढ़ाला पर पुलिस टीम पहुंच गई। और मुखबिर द्वारा बताए गए संदिग्ध व्यक्ति को रोक कर उसकी तलाशी ली गई। पूछने पर व्यक्ति ने अपना नाम पता संतोष राम पुत्र रमाशंकर राम निवासी दलन छपरा जनपद बलिया बताया गया। तलाशी में उसके पास के प्लास्टिक के झोले में से 1150 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। तस्कर को दोकटी थाने लाकर धारा एनडीपीएस एक्ट के तहत निरुद्ध कर न्यायालय के लिए चालान कर दिया गया।

तालाब में उतराया हुआ मिला वृद्ध का शव

बलिया। गड़वार थाना क्षेत्र के बहादुरपुरकारी गांव स्थित तालाब में एक वृद्ध का शव गुरुवार को उतराया हुआ मिला। शव की शिनाख्त रामहोशिला निवासी बहादुरपुरकारी के रूप में हुई। उधर मौके पर सैकड़ों की संख्या में भीड़ जुट गई। इसबीच किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से निकलवाने के बाद कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिजनों के अनुसार रामहोशिला गांव स्थित शिव मंदिर में सोते थे। बीती रात हो सकता है कि शौच के बाद तालाब में गए हुए थे, किसी प्रकार डूब गए। गुरूवार की दोपहर लगभग एक बजे गांव के लोग तालाब में गए तो देखा कि एक शव उतराया हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है।

एक मुट्ठी मिट्टी एक चुटकी अक्षत की कलश यात्रा निकाल बलिदानियों को किया गया याद

मऊ। मेरी मांटी मेरा देश कार्यक्रम अन्तर्गत मुहम्मदाबाद गोहना में एकत्रित किये गए एक मुट्ठी मिट्टी और एक चुटकी अक्षत युक्त अमृत कलश का नगर पंचायत कार्यालय में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संग्रहण किया गया। साथ ही कार्यालय से कस्बे के विजय स्तंभ तक संग्रहित अमृत कलश के साथ यात्रा निकालकर बलिदानियों को याद किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के समापन कार्यक्रम के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नगर पंचायत मुहम्मदाबाद गोहना द्वारा एकत्रित किये गए अमृत कलश को एकत्रीकरण के लिए कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मुहम्मदाबाद गोहना नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि दीपक गुप्ता डायमंड ने की तो पूर्व निर्धारित मुख्य अतिथि भाजपा नेत्री पूनम सरोज की अनुपस्थिति में हरीकृष्ण बरनवाल ने मुख्य आतिथ्य का दायित्व संभाला। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता प्रद्युम्न प्रताप ने निभाई तो कार्यक्रम का सफल मंच संचालन मुहम्मदाबाद गोहना भाजपा मंडल अध्यक्ष रामसरन चौहान ने किया। मुख्य अतिथि हरीकृष्ण बरनवाल ने अपने संबोधन में कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा चलाए जा रहे 09 अक्टूबर से मेरी माटी मेरे देश अभियान कार्यक्रम हर नागरिक का कार्यक्रम बन गया है। जिसमें बलिदानी सपूतों को याद किया गया।

खबरें फटाफट

गंगा में डूबने से किशोरी की मौत

बलिया। शहर कोतवाली क्षेत्र के शिवपुर दियर नंबरी में बुधवार की दोपहर गंगा नदी में डूबने से एक किशोरी की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि शिवपुर दियर नंबरी निवासी शिवसागर बिंद की 15 वर्षीय बेटी सुखी गंगा नदी में स्नान करने गई थी, इसबीच किसी प्रकार गहरे पानी में चली गई। आसपास के लोगों ने उसे आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है।

डीडीओ ने चोरकैंड के सचिव को किया सस्पेंड

बलिया। जिला विकास अधिकारी राजित राम मिश्र ने मनियर ब्लॉक की ग्राम पंचायत चोरकैंड के ग्राम विकास अधिकारी प्रशांत कुमार सिंह को सस्पेंड कर दिया है। इन पर जीवित महिला को मृत दिखाकर राशन कार्ड से उसका नाम काटने का आरोप है। जिला विकास अधिकारी ने प्रकरण की जांच पंदह बीडीओ को सौंपते हुए निलम्बित सचिव को रेवती ब्लॉक से सम्बद्ध कर दिया है। आरोप है कि चोरकैंड ग्राम पंचायत की खुली बैठक में सचिव ने अंत्योदय राशनकार्ड की लाभार्थी पुष्पा देवी को मृत दिखाकर राशन कार्ड से उनका नाम कटवा दिया। इस वजह से अंत्योदय कार्ड पर मिलने वाली सभी सुविधाएं बंद हो गयी। पुष्पा ने इसकी छानबीन की तो पता चला कि कागज में उसकी मौत दिखाकर राशनकार्ड से नाम काट दिया गया है। जिसके बाद उसने डीएम को पत्र लिखकर जांच की मांग की। जांच में दोषी पाये जाने पर सचिव को निलंबित किया गया।

शराब दुकानों में चलाया गया सघन जांच अभियान

मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार के निर्देशन एवं जिला आबकारी अधिकारी मोहम्मद असलम के निर्देश पर बुधवार रात्रि आबकारी इंस्पेक्टर बजरंगी चौरसिया, कांस्टेबल संदीप यादव समेत आबकारी विभाग के लोगों द्वारा मोहम्मदाबाद गोहना कस्बे में स्थित अंग्रेजी देसी तथा बियर शराब की दुकान का देर रात्रि अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अंग्रेजी के शराब की दुकान पर उसके सील मोहर स्टॉक एवं क्यूआर कोड सीसीटीवी तथा दुकान की व्यवस्था का स्थल निरीक्षण कर लाइसेंस धारकों को सख्त निर्देश दिया कि कहीं भी अवैध शराब बेचते हुए कोई भी दुकानदार पाया गया तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए उसके लाइसेंस को जब्त कर लिया जाएगा। किसी भी दुकान पर ओवर रेटिंग नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के क्रम में कैलेंडर तिराहा, विजय स्तंभ चौक, स्थानीय रेलवे स्टेशन एवं कस्बे में स्थित सभी दुकानों का निरीक्षण किया। इस बाबत पूछे जाने पर आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दुकानदारों को सख्त निर्देश दिया गया है शराब कहीं नहीं मिलनी चाहिए। अचानक इस छापामारी को लेकर अन्य दुकानदारों में अपरा तफरी मची रही रही।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर एवं अन्य राजस्व कार्यों की समीक्षा, कहा-

लापरवाह अमीनों पर करें कार्रवाई

केटी न्यूज/मऊ

जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय स्थित सभागार में कर करेत्तर एवं अन्य राजस्व कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान व्यापार कर में क्रमिक लक्ष्य में मात्र 65.81 प्रतिशत उपलब्धि पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उपायुक्त व्यापार कर को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिया। अन्यथा ऐसी स्थिति में शासन को पत्र लिखने की चेतावनी दी। विद्युत देय की वसूली की समीक्षा के दौरान माह तक के निर्धारित लक्ष्य 504.76 करोड़ के सापेक्ष 259.83 करोड़ की प्राप्ति एवम् माह तक क्रमिक लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 51.48 प्रतिशत तथा वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष अब तक मात्र 23.83 प्रतिशत प्राप्ति पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को कड़ी फटकार लगाते हुए अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता विद्युत के खिलाफ प्रबंध निदेशक को पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान परिवहन कर, आबकारी कर, वनकर एवं खनन कर में भी निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम उपलब्धियों पर जिलाधिकारी ने इसमें वृद्धि लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। विविध देय की वसूली की समीक्षा के दौरान व्यापार कर, वाहन कर, विद्युत देय आदि में मानक के अनुसार वसूली संतोषजनक पाई गई।

बड़े बकायेदारों पर करें विधि संवत कार्रवाई : जिलाधिकारी ने कार्यशील अमीनों को ही नियुक्त करने के निर्देश दिया। साथ ही लापरवाह अमीनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश भी जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। 10 बड़े बकायेदारों से वसूली की समीक्षा के दौरान उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदारों को इसमें बड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आईजीआरएस के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा के दौरान विद्युत विभाग के

■ अधिशासी अभियंता विद्युत के खिलाफ पत्र जारी करने के दिए निर्देश

खराब प्रदर्शन पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता को कड़ी फटकार लगाते हुए इसमें सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने वहां उपस्थित समस्त अधिकारियों को आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का समय सीमा के अंदर गुणक्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने को भी कहा। जिससे कोई भी शिकायत डिफाल्टर अथवा सी श्रेणी में ना आए। इसके अलावा जाति, आय एवं निवास प्रमाण पत्रों को भी समय सीमा से जारी करने को कहा। उन्होंने समस्त पीठासीन अधिकारियों को उनके द्वारा पारित आदेशों का मौके पर अनुपालन सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा नियमित अपने कोर्ट में बैठने तथा अधिकतम संख्या में वादों का निस्तारण कर पोर्टल पर भी अपलोड करना सुनिश्चित करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। उन्होंने समस्त पीठासीन अधिकारियों को इस माह के अंत तक लंबित राजस्व वादों की संख्या में अधिकतम निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। स्वामित्व योजना की समीक्षा के दौरान तहसील घोसी में प्रगति सबसे कम पाए जाने पर जिलाधिकारी ने इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं में भूमि संबंधी विवादों का तत्काल निस्तारण करने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा समस्त उप जिलाधिकारियों को दिए गए। नए भूमि माफिया के चिन्हांकन एवं उनके विरुद्ध की गई कार्रवाइयों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील स्तरीय टास्क फोर्स की नियमित बैठक करने तथा नए भूमाफियाओं को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाने के निर्देश समस्त उप जिलाधिकारियो को दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने विभागीय कार्रवाइयों, आवासीय एवं कृषि हेतु भूमि के पट्टे,,वरासत अभियान, इत्यादि कार्यों में भी उन्होंने तेजी लाने के निर्देश समस्त उप जिलाधिकारियो को दिए।बैठक के दौरान मुख्य राजस्व अधिकारी सुशील लाल श्रीवास्तव सहित समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार एवं अन्य संबंधित समस्त अधिकारी उपस्थित रहे।

गड्ढे में पलटी बाइक युवक की मौत

बलिया। सिंकदरपुर थाना क्षेत्र के करमौता गांव के समीप बुधवार-गुरुवार की देर रात गड्ढे में बाइक पलट जाने से एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है। वही परिजनों का रोते-रोते बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र के नवानगर गांव निवासी अनुराग पासवान (22)पुत्र अतुल पासवान बुधवार की शाम बाइक से कहीं गया हुआ था। वापस घर लौटते समय बुधवार-गुरुवार की देर रात को अभी करमौता गांव के समीप पहुंचा ही था की अचानक असंतुलित होकर गड्ढे में बाइक पलट गई। जिससे उसकी मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया है, उधर जैसे ही परिजनों को मालूम हुआ तो उनका रोते-रोते बुरा हाल है। अनुराग की मौत से करमौता गांव में मातम पसरा हुआ है। सिकंदरपुर थानाध्यक्ष ने बताया बुधवार गुरुवार की रात लगभग ढाई बजे गड्ढे में बाइक पलट जाने से युवक की मौत हुई है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल स्थित पोस्टमार्टम हाउस में भेज दिया गया है।

ग्रामीणों ने गांव में नाली निर्माण की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/मऊ

कोपागंज विकास खंड अंतर्गत ग्राम सेंदुराईच के यादव बस्ती और लोहार बस्ती में जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं होने से घरो का गन्दा पानी सड़को पर बह रहा है। नाली के पानी के इधर उधर बहने लोगो को विगत 2 वर्षो से गन्दे पानी में आने जाने को मजबूर होने और आये दिन गंदगी के कारण अक्सर बच्चे बीमार रहते है बच्चो ० बूढों में संक्रामक बीमारियों का सदैव खतरा बना रहता है।रात दिन उठ रहे दुर्गन्ध से जीना दुश्वार हो गया है।इसके आजिज आकर ग्रामवासियो ने उपजिलाधिकारी को पत्र लिखकर नाली निर्माण करवाने की मांग किया है।

कोपागंज ब्लॉक अंतर्गत ग्राम सभा सेंदुराईच के लोगो कहना है कि विगत 2 वर्षो से हमलोगों के मुख्य सड़क पर नाली का गन्दा पानी और कीचड़ फैला हुआ है। जिसकी लिखित शिकायत गांव के लोगों ने कई बार ब्लॉक से लेकर जिला प्रशासन को किया लेकिन कोई परिणाम नहीं निकला। केवल उन्हें आश्वासन देकर शांत कर दिया गया। बिजेंद्र यादव राममिलन यादव, चन्द्रमा यादव, नन्दलाल यादव, अवधेश कुमार यादव, जीतेन्द्र यादव, उमेश चंद्र यादव सोना, शिवगोविंद यादव आदि ग्रामीणों का कहना की बीस वर्ष पूर्व नाली का निर्माण कराया गया था, लेकिन कोई निकास की व्यवस्था नहीं की गयी थी। वर्षों तक गांव के ही एक व्यक्ति के बगीचे में पानी बहता था। विगत दो वर्षों से बगीचे में पानी बंद कर देने से घरों का गन्दा पानी सड़क पर बहाने के लिए मजबूर है। जिससे लोगो को आने जाने में कठिनाइयां होती है। इसके अलावा गंदे पानी के चलते दुर्गंध तो हो रहा है गंदगी भी फैल रही है। सभी ने उपजिलाधिकारी सदर को पत्र लिखकर नाली निर्माण करवाने की मांग किया है।

एंटी रोमियो टीम ने महिलाओं एवं छात्राओं को किया जागरूक

केटी न्यूज/मऊ

महिलाओं तथा छात्राओं की सुरक्षा एवं संरक्षण को लेकर पुलिस विभाग द्वारा एंटी रोमियो टीम का गठन किया गया है।पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडेय के निर्देश पर डिग्री कॉलेज, इंटर कॉलेज एवं सार्वजनिक स्थानों पर महिला पुलिस जवानों ने सिविल ड्रेस में पहुंचकर महिलाओं तथा छात्राओं को जागरुक किया। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को बताया कि आपके सुरक्षा का दायित्व हम लोगों के पास है तथा आप निडर एवं निर्भीक होकर आप लोग अपने-अपने कामों को करें। किसी प्रकार की डरने की आवश्यकता नहीं है। जिसको लेकर स्थानीय महिला पुलिस ने संत गणीनाथ राजकीय पीजी कॉलेज एवं पब्लिक महिला शहर पीजी कॉलेज, रेलवे स्टेशन तथा सार्वजनिक स्थान पर पुलिस ने छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है एंटी रोमियो की टीम आप लोगों के आगे पीछे सदैव सुरक्षा को लेकर चिंतित है और साथ रहेगी।इस मौके पर महिला कांस्टेबल समेत कांस्टेबल मोहम्मद बिलाल खान, गंगा राम, मनसा चौरसिया, राज किशोर आदि पुलिसकर्मी साथ रहे।

अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल पर कुव्यवस्था देख डीएम ने जताई नाराजगी, बोले

कार्य में लापरवाही में पंचायत सचिव को करें सस्पेंड

केटी न्यूज/बलिया

जिलाधिकारी रविंद्र कुमार बृहस्पतिवार को विकासखंड बेरूआरबारी के ग्राम करम्मर स्थित अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल का औचक निरीक्षण किया। यहां पर जिलाधिकारी ने अभिलेखों का परीक्षण, पशुओं की संख्या, पशुओं के लिए भूसा, हरे चारे, पानी और प्रकाश की व्यवस्था, पशुओं की देखभाल करने वाले केयर टेकर, चौकीदार एवं पशु-चिकित्सक आदि के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने सत्यापन किया तो पाया कि अभिलेखों में पशुओं की संख्या 73 पाई गई जबकि निरीक्षण के समय 59 पशु पाये गये। गोवंश आश्रय स्थल के दो कमरों में भूसा रखा गया था और पानी निकालने के लिए मोटर लगा था। प्रकाश की व्यवस्था के लिए विद्युत कनेक्शन किया गया था लेकिन सोलर पैनल खराब पाया गया। पशुओं की देखभाल करने के लिए तीन केयरटेकर और एक चौकीदार रखा गया है। पशुओं की चिकित्सा के लिए एक पशु चिकित्सक मौजूद थे। गोवंश आश्रय स्थल में प्रवेश करते ही परिसर में फैली गंदगी, हौज के पानी की गंदगी , हौज के पास जल जमाव की स्थिति एवं अभिलेखों में मौके पर मौजूद पशुओं के सापेक्ष अधिक संख्या देखकर जिलाधिकारी ग्राम पंचायत सचिव और पशु चिकित्सक पर भड़क उठे। उन्होंने कहा कि पूरे जनपद में ऐसी बदहाल और दैनीय स्थिति किसी गोवंश आश्रय स्थल की नहीं है, जितना आप लोगों ने किया है।

उन्होंने कड़े तेवर अपनाते हुए ग्राम पंचायत सचिव अजय कुमार पांडेय को जिला पंचायती राज अधिकारी द्वारा सस्पेंड करने और पशु चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई के लिए शासन में रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया और ग्राम प्रधान को भी नोटिस जारी किया गया। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी संजय कुमार को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करते हुए सख्त हिदायत दी कि अगले एक सप्ताह में अगर स्थिति में सुधार नहीं होता है तो सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

भारत माला परियोजना के लिए जमीन नहीं देंगे किसान, करेंगे आंदोलन

केटी न्यूज/चंदौली

पूर्व सांसद रामकिसुन यादव भी अपने नेता के नक्शे कदम पर चलते दिखाई दे रहे है। समाजवादी चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया के पुण्यतिथि के दिन पूर्व सांसद ने आंदोलन का बिगुल फूंका है। भारत माला प्रोजेक्ट के लिए किए किए जा अधिग्रहण के विरोध प्रभावित किसान मजदूर धरना स्थल पहुंचकर विरोध जताया।

इस दौरान किसानों ने कहा मर मिटेंगे, लेकिन जमीन मकान नहीं देंगे।वहीं पूर्व सांसद रामकिसुन भी किसानों के समर्थन में उतर पड़े है और निर्णायक लड़ाई की बात कही। उन्होंने कहा कि हम सभी लोहिया जी आदर्शों पर चलने वाले लोग है। उनका मानना था जब सड़के सुनी हो जाती है, तो संसद आवारा हो जाती है, लेकिन हम समाजवादी लोग संसद को आवारा नहीं होने देंगे। किसानों मजदूरों के लिए हक हुकूक की लड़ाई लड़ने के लिए संघर्ष करेंगे और उन्हें उनका हक दिला कर रहेंगे।

पूर्व सांसद ने कहा कि भारत माला प्रोजेक्ट जिले में 23 किलोमीटर की सीमा विस्तार में है। कमोवेश सभी जगहों पर हालात ऐसे

ही है। कहीं लोगों का मकान जा रहा है तो कहीं लोग भूमिहीन हो रहे है। लेकिन सरकार इन किसानों की सस्ती जमीन खरीदकर एक्सप्रेस वे बनाकर उद्योगपति यों को फायदा पहुचाने का काम कर रहे है। जिसकी जमीन इस परियोजना में जा रही है उनकी कीमत कम कीमत दी जा रही है। जबकि उसी सड़क के किनारे जमीन की कीमतें आसमान छू रही है। ऐसे में किसानों को उचित मुआवजा दिया जाय। विदित हो कि भारत माला ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में रेवसा गांव के सैकड़ों लोगों की जमीन का अधिग्रहण किया गया है। जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों का घर मकान प्रभावित हो रहा है। किसानों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि हम लोग भारत माला ग्रीनफेल्ड हाईवे (ग्रीन प्रोजेक्ट) में अपना मकान देना नहीं चाहते है, यदि लेना है तो जमीन के बदले जमीन व मकान के बदले मकान दिया जाये। ताकि किसानों के साथ न्याय हो सके।

पीडीडीयू स्टेशन पर खुलेगा जन औषधि केंद्र

पीडीडीयू नगर। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर भी जन औषधि केंद्र खोलने की योजना है। स्थानीय मंडल के डीडीयू स्टेशन पर भी जल्दी ही एक जन औषधि केंद्र खोला जाएगा। ई-नीलामी के माध्यम से जन औषधि केंद्र का आवंटन किया जाएगा। डीडीयू स्टेशन पर यात्रियों सहित आम जन के आसानी से पहुंच वाले स्थान पर जन औषधि केंद्र खोला जाएगा। डीडीयू स्टेशन पर प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र पर सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध होंगी ।

एक नजर

ट्रक ने मैजिक में मारी टक्कर, चालक गंभीर

गाजीपुर। देवकली बस स्टॉप के पास गुरुवार को सायंकाल एक मैजिक का सैदपुर बस स्टॉप के सामने टायर उड़ गया। उसे बदलने का प्रयास करते समय मुजफ्फरपुर-बिहार से डीसीएम पर मूर्ति लादकर एट ट्रक वाराणसी जाते वक्त खड़ी मैजिक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे ट्रक 50 फीट आगे जाकर डिवाइडर से टकरा गया। हादसे में डीसीएम का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और चालक बुरी तरह फंस गया। आस- पास के लोगों ने दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला और इलाज के लिए एम्बुलेंस से सैदपुर अस्पताल भेजा। घटना में अन्य लोगों को मामूली चोटे आई। बता दें कि वाराणसी जनपद निवासी महावीर प्रसाद के मैजिक का टायर उड़ने से टायर बदलने का प्रयास कर रहा था। गाजीपुर की ओर से आ रही डीसीएम ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे डीसीएम चालक वाराणसी निवासी इन्द्रदेव फंस गया। आस-पास के लोगों ने दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला। रामपुर मांझा पुलिस ने एम्बुलेंस से इलाज के लिए सैदपुर भेजा।

युवक की पीट-पीटकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गाजीपुर। गुरुवार की सुबह फोन कर एक व्यक्ति ने सूचना दी कि थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम फाक्सगंज पोखरी के सामने करंडा-गाजीपुर सड़क पर सिंघासन यादव पुत्र स्व. नगीना यादव निवासी ग्राम बक्सा थाना करंडा, जो करंडा से बाइक पर दूध लेकर गाजीपुर में बेचने के लिए जा रहे थे। सड़क पर मृत अवस्था में पड़े हैं। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मौके पर पहुंचे, जहां मृतक के परिजन

मौजूद थे। जो ग्राम प्रधान बक्सा थाना करंडा मोती यादव पुत्र रामसरन यादव व उनके दो अन्य सहयोगियों पर पुराने विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगा रहे थे। मौके पर आस-पास के लोग भी एकत्रित हो गए थे। जिस कारण कुछ समय के लिए जाम की स्तिथि उत्पन्न हो गई थी। अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर तथा नगर सर्किल के सभी थानाध्यक्ष फोर्स के साथ मौके पर मौजूद रहे। परिजनों को समझा -बुझाकर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। वर्तमान में मौके पर ला एंड ऑर्डर संबंधी कोई समस्या नहीं है।

आर्टिगा कार ने स्विफ्ट डिजायर में मारी टक्कर

चंदौली। मुख्यालय स्थित एसपी कार्यालय के समीप नेशनल हाईवे पर बृहस्पतिवार को स्विफ्ट डिजायर और आर्टिगा कार में टक्कर हो गयी। घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वही स्विस्ट डिजायर में बैठे स्कूली बच्चे बाल बाल बच गए। मौके पर जुटे आप पास के लोगो ने तत्काल घटना की जानकारी पुलिस को दी घटनास्थल पर पहुची ने तत्काल घायलों की जिला अस्पताल पहुचाया जहा

उनका इलाज इलाज चल रहा है। बताते हैं कि बिहार प्रान्त के सासाराम निवासी पंकज पांडेय 57 वर्ष व रवि इंडिया 24 वर्ष उत्तराखंड आश्रम से बिहार सासाराम जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार एसपी कार्यालय के समीप पहुची की सामने चल रहे। बच्चों से भरी स्विफ्ट डिजायर कार में टक्कर मार दी। घटना में पंकज पांडेय व रवि गंभीर रूप से घायल हो गए। वही कार में सवार बच्चे बाल बाल बच गए। घटनास्थल पर जुटे आस पास के लोगो ने तत्काल घायलों को कार से बाहर निकाला और घटना की जानकारी पुलिस को मौके पर पहुची ने तत्काल दोनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है।

जमानिया में रोजगार मेले का आयोजन

गाजीपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया है कि गुरुवार को जिला सेवायोजन कार्यालय के तत्वावधान में विकास खंड-जमानियां परिसर में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी कंपनी एडेक्को प्रा0लि0 गाजीपुर द्वारा सर्विस बॉय, सेल्स मैनेजर, फील्ड आफीसर, टेक्नीशियन, हेल्पर आदि पदों पर चयन किया गया। मेले में करीब 60 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से विभिन्न पदों पर कुल 28 अभ्यर्थियों का अन्तिम राउंड के लिए चयन किया गया। भारत के कार्यबल को कुशल बनाकर अंतर्राष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने के लिए भारत सरकार के स्किल इण्डिया मिशन के तहत स्किल इण्डिया इंटरनेशल सेन्टर वाराणसी द्वारा उक्त परिसर में प्री-काउंसिलिंग की गई। जिसमें दुबई, अबुधाबी, शारजाह, सऊदी अरब देशों में इलेक्ट्रिशियन, फिटर, हेल्पर, क्लीनर, माली, एसी टेक्नीशियन, सिक्योरिटी गार्ड, कुक, वेटर, मैकेनिकल ड्राफ्ट्समैन, मेसन, ड्राइवर आदि जॉब रोल्स के लिए प्री-काउंसलिंग में करीब 112 अभ्यर्थियों का एसआईआईसी वाराणसी टीम द्वारा काउंसलिंग की गई। जिसमें से 36 अभ्यर्थी विदेशों में रोजगार पाने के लिए योग्य पाए गए। जिसमें से 17 अभ्यर्थी पासपोर्टधारी है। इन सभी योग्य अभ्यर्थियों को अन्तिम चयन के लिए एसआईआईसी वाराणसी सेंटर पर कॉल किया जाएगा।

एसडीएम ने दिया टास्क... चार दिवसीय दुर्गा पूजा मेले में अवांछनीय तत्वों पर रखें नजर

पीडीडीयू नगर। मुगलसराय कोतवाली परिसर में चार दिवसीय दुर्गा पूजा को लेकर दुर्गा पूजा कमेटियों व प्रबुद्ध लोगों के साथ मुगलसराय एसडीएम अविनाश कुमार व कोतवाल दीनदयाल पांडे ने बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान मुगलसराय एसडीएम एसडीम अविनाश कुमार ने कहा कि पंडाल में तथा आसपास सुरक्षा की दृष्टि से मानक बनाए गए हैं। इसके तहत किसी भी दशा में पंडाल तीन मीटर से कम ऊंचाई का नहीं होना चाहिए। पंडाल बनाने में सिंथेटिक सामग्री से बने कपड़े या रस्सी का प्रयोग नहीं होना चाहिए। पंडाल के चारों तरफ 4.5 मीटर खुला स्थान होना चाहिए। जिससे लोग सुरक्षित बाहर निकल सकें। पंडाल से बाहर निकलने के लिए पांच पांच मीटर के दो रास्ते बनाए जाने चाहिए। पंडाल बिजली की लाइन के नीचे किसी भी दशा में नहीं लगनी चाहिए। कोई भी पंडाल रेलवे लाइन, बिजली के सब स्टेशन, चिमनी या भट्ठी से कम से कम 15 मीटर दूर होना चाहिए। पंडाल में हैलोजन लाइट का प्रयोग किसी भी दशा में नहीं होना चाहिए। पंडाल में अग्नि सुरक्षा के लिए ड्रम या बाल्टियों में सुरक्षित रखा जाना चाहिए। पंडाल से बाहर निकलने के लिए कम से कम दो रास्ते एक-दूसरे के विपरीत बनना चाहिए। बिजली के जोड़ों एवं बिजली के तारों को किसी भी दशा में खुला न छोड़े। पंडाल में प्रयोग आने वाले कपड़ो को अग्नि निरोधक घोल से उपचारित करें। कोतवाल दीनदयाल पांडे ने कहा कि मेले में आए हुए लोगों पर कमेटी के लोग सतर्क नजर रखे। मेले का फायदा उठाकर अवांछनीय तत्व सक्रिय हो जाते हैं। ऐसे संदिग्ध लोगों पर नजर रखे इसकी सूचना मेले में मौजूद पुलिस को दें। जिससे समय रहते अवांछनीय तत्वों की जांच पड़ताल किया जा सके। मेले में वर्दी व सादे वेश महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

खबरें फटाफट

डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनी

चंदौली। अलीनगर क्षेत्र के सरेसर स्थित अरविंद यादव बबलू के कटरा पर शुक्रवार को सपा कार्यकताओं ने डा. राम मनोहर लोहिया की 56 वीं पुण्यतिथि इनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर मनाया। डॉ. राम मनोहर लोहिया की पुण्यतिथि के अवसर पर सपा जिला सचिव अरविंद यादव बबलू ने कहा कि डॉ. लोहिया ने अपना पूरा जीवन समाज के हित के लड़ाई में न्योछावर कर दिया था। हमारे समाज के लोगों को उनके पद चिन्हों पर चलने की जरूरत है। इस मौके पर ग्राम प्रधान भानुप्रकाश यादव, पूर्व प्रधान, रामविलास यादव, डॉ. राजेश यादव, डॉ संतोष कुमार, अशोक कुमार, मंगल यादव, प्रताप नारायण, वीरेंद्र यादव बबलू, सुरेश कुमार, अरविंद जायसवाल, पकासु चौहान आदि लोग उपस्थित रहे।

एक सप्ताह में दो दर्जन बकरियां चोरी

पीडीडीयू नगर। मुगलसराय कोतवाली क्षेत्र के कूढकला गांव से एक सप्ताह में दो दर्जन बकरियां चोरी हो गई। जिससे बकरी पालकों दहशत का माहौल कायम हो गया है। पीड़ितों ने इसकी सूचना रेलवे चौकी प्रभारी को दे दिया है। बताया जाता है कि एक सप्ताह में लगभग दो दर्जन बकरियों को चोरों ने दिनदहाड़े वाहनों पर लाद कर ले जा रहे हैं बताया गया कि संजय कुमार की चार बकरी, विजई का आधा दर्जन, सुदामा नामक व्यक्ति का एक दर्जन से ज्यादा बकरी एक हफ्ते में दिन के दोपहर में चोरी हो गई हैं। पीड़ितों ने इसकी सूचना रेलवे पुलिस चौकी को दे दी है। रेलवे चौकी इंचार्ज जनक सिंह ने बताया कि बकरी चोरी की घटना प्रकाश में आया है। जो बकरियों को छुट्टा छोड़ दिया करते हैं उनकी बकरियां चोरी हुई हैं। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

गो आश्रय स्थल की हुई साफ-सफाई

गाजीपुर। जखनियां खंड विकास अधिकारी त्रिवेणी राम ने बताया कि शासन के निर्देश पर सफाई कर्मचारियों द्वारा जखनियां ब्लाक अंतर्गत चार गांवों में स्थित गो आश्रय स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें जलालाबाद गो आश्रय स्थल में 188 मवेशी, करूई 58, बेलहरा में 92, बुढानपुर 36 मवेशी है। 10 से 15 की संख्या में सफाई कर्मचारियों को लगाकर विशेष सफाई कराई गई। उन्होंने सचिव और ग्राम प्रधान को निर्देशित किया कि गो आश्रय स्थल में समय-समय पर चारा भी खिलाएं और पानी का भी इंतजाम पुख्ता रहे।

लापता किशोरी हुई बरामद

गाजीपुर। दुल्लहपुर थाने के एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी दस अक्टूबर को स्कूल जाते वक्त लापता हो गई। इसकी तहरीर परिजनों ने थाने में दी थी। जिसमें तीन युवकों पर आरोप लगाया गया। लेकिन गुरुवार को सुबह किशोरी मऊ, वाराणसी, प्रयागराज होकर फिर दुल्लहपुर आ गई। पुलिस ने किशोरी को अग्रिम कार्रवाई के लिए 164 के बयान के लिए जिला मुख्यालय भेजा। थानाध्यक्ष अशोक मिश्रा ने बताया किशोरी मिल गई है। क्या मामला है इसकी गहनता से जांच की जा रही है।

मिशन शक्ति 4.0: उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग ने तैयार की कार्ययोजना

बेटियां होंगी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक

- पुलिस विभाग के सहयोग से प्रत्येक जनपद में महिला सुरक्षा एवं साइबर क्राइम पर चलेगा जागरूकता अभियान
- सभी जिलों के स्कूलों में शिविर लगाकर बच्चियों को दी जाएगी जानकारी

केटी न्यूज स्टेट ब्यूरो/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 14 अक्टूबर से शुरू हो रहे मिशन शक्ति के चौथे चरण के तहत उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग से संबंधित सभी विद्यालयों में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता को लेकर वृहद स्तर पर अभियान चलाया जाएगा। विद्यालयों में बेटियों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही वेबिनार, सेमिनार के माध्यम से बेटियों को महिला सुरक्षा के प्राविधानों और कानूनों की जानकारी दी जाएगी। बाल अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षा, सेफ टच, अनसेफ टच आदि मुद्दों पर भी जागरूक किया जाएगा। मिशन शक्ति के चौथे चरण के लिए उच्च शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा और बेसिक शिक्षा विभाग ने कार्ययोजना तैयार कर ली है और चरणबद्ध तरीके से इसका संचालन किया जाएगा। उल्लेखनीय है की सीएम योगी 14 अक्टूबर को अपने सरकारी आवास से रैली को हरी झंडी दिखाकर मिशन शक्ति के चौथे चरण की शुरूआत करेंगे।

महिला सुरक्षा के प्राविधानों की मिलेगी जानकारी: उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए महिलाओं को उच्च शिक्षा में समान अवसर प्रदान करते हुए उनकी नामांकन दर में वृद्धि किए जान हेतु जागरुकता अभियान संचालित किया जाएगा। समस्त विश्व विद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों में वेबिनार और सेमिनार आयोजित कर महिला सुरक्षा के

विविध प्राविधानों और कानूनों की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही लैंगिक समानता, बालिकाओं के स्वास्थ्यवर्धन एवं पोषण के प्रति जागरुकता के लिए भी वेबिनार व व्याख्यानमालाओं का आयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो कार्यक्रम के अन्तर्गत बालिकाओं की समस्याओं को सुनकर उन्हें एनजीओ तथा मनोचिकित्सकों के माध्यम से परामर्श दिया जाएगा।

शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कैंप का होगा अयोजन

प्रत्येक विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के लिए कम से कम एक स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान द्वारा माह में एक बार किसी महिला रोल मॉडल के साथ संवाद का आयोजन तथा महिला सुरक्षा हेतु संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। विशिष्ट दिवसों पर विशिष्ट दिवस के विषय से सम्बन्धित कार्यक्रम का आयोजन, समाज के सभी नागरिकों, विशेष रूप से बालकों के मध्य बालिका की सुरक्षा एवं सम्मान की भावना जागरुक करने और संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से बालिका सुरक्षा शपथ दिलाने जैसे कार्यक्रम भी होंगे।

बालिकाओं की नियमित उपस्थिति पर होगा फोकस

बेसिक शिक्षा विभाग उपस्थिति अभियान चलाएगा, जिसमे 1.33 लाख विद्यालयों में बालिकाओं की विद्यालय में नियमित उपस्थिति के लिए प्रत्येक शनिवार कार्यक्रम चलेगा तथा प्रायः अनुपस्थित रहने वाली बालिकाओं के अभिभावकों से सम्पर्क कर उन्हें जागरुक किया जाएगा। 1.33 लाख विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों के माध्यम से छात्र-छात्राओं को बाल अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षा, सेफ टच, अनसेफ टच आदि मुद्दों पर जागरुक किया जाएगा। विद्यालयों में बालिका शिक्षा के महत्व पर बच्चों से चित्रकला, वाद-विवाद, चर्चा-परिचर्चा, बाल- अखबार आदि का निर्माण कराते हुए प्रदर्शनी लगाकर जागरूकता एवं प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में बालिकाओं के लिए चालू दशा में शौचालय एवं इंसीनरेटर की स्थापना करने का प्रयास किया जाएगा।

बालिकाओं को किया जाएगा जागरूक

माध्यमिक शिक्षा विभाग के विद्यालयों में आन्तरिक शिकायत समिति (विशाखा गाइडलाइन) के उद्देश्यों एवं कार्यकलापों के सम्बन्ध में छात्र- छात्राओं और महिला अध्यापिकाओं को जानकारी प्रदान की जाएगी। आपातकालीन सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, 1090, पुलिस कन्ट्रोल रूम- 112. एम्बुलेंस 108, नजदीकी थाने के नम्बर की पूरी जानकारी सहित वॉल राइटिंग कराई जाएगी। बालिकाओं एवं महिलाओं में उनके अधिकारों के प्रति चेतना जागृत करने के लिए प्रत्येक विद्यालय में शक्ति मंच का गठन और आयोजन किया जाएगा। विद्यालयों में बालिकाओं की सुरक्षा विषयक विधिक प्रावधानों पर जागरूकता के लिए निबन्ध, भाषण, वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन तथा विशेषज्ञ महिला संदर्भदाताओं के माध्यम से परिचर्चा आयोजन किया जाएगा।

नाटक जणता राजा में देखने को मिलेगी शिवाजी महाराज की झलक

केटी न्यूज/चंदौली

क्षेत्र के जगदीशसराय स्थित मैक्सवेल कालेज भवन में गुरुवार की शाम सेवा भारती चंदौली इकाई की ओर से बैठक व गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान बीएचयू के एमपी थीएटर में 21 नवंबर से 26 नवंबर तक आयोजित होने वाले शिवाजी महाराज की जीवनी पर आधारित नाटक जणता राजा के बारे में विस्तार से चर्चा की गई।

इस दौरान कथावाचक सांतनु महाराज ने कहा कि शिवाजी महाराज कौन थे, उनके जीवन की विशेषताएं क्या थी? इसकी झलक जणता राजा नाटक में सजीव देखने को मिलेगा। उक्त नाटक को सजीवता प्रदान करने के लिए 250 कलाकार महाराष्ट्र के पूणे से आ रहे हैं। इसके अलावा नाटक में घोड़े, हाथी को प्रत्यक्ष देखा जा सकेगा। कहा कि आज हम सभी को शिवाजी महाराज के व्यक्ति व चरित्र जानने की आवश्यकता है क्योंकि उनकी वीरता, पराक्रम की गाथाएं आज भी प्रासंगिक हैं। वह भी ऐसे दौर में जब देश ने लगभग एक हजार साल की स्वाधीनता को झोला। कहा कि शिवाजी महाराज ने अपने कौशल, प्रतिभा, समर्पण व दूरदर्शी सोच से हिन्दवी साम्राज्य की स्थापना की थी, जिसका 350वां स्थापना दिवस हम सभी मनाने जा रहे हैं। कहा कि शिवाजी महाराज हम सभी के असली हीरो हैं। वर्तमान व आगे आने वाली पीढ़ियों को उन्हें जानना व समझना होगा, क्योंकि हम वैसा ही व्यवहार करते हैं जैसा कि हम पढ़ते, लिखते और सुनते हैं। अखिल भारतीय सह व्यवस्थापक प्रमुख अनिल ओक ने कहा कि हमारे देश के कोने-कोने में महापुरुषों ने जन्म लिया। हमें महापुरुषों की तुलना नहीं करनी चाहिए। क्योंकि हमारा देश एक मंदिर के समान है जिसके अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग महापुरुष मूर्तियों के समान विराजमान है। उन्होंने शिवाजी महाराज के पराक्रम पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि शिवाजी महाराज लोकल नहीं, बल्कि ग्लोबल लीडर थे। उनके व्यक्तित्व को आज हम सभी को धारण करने की जरूरत है, ताकि देश की अच्छुणता व एकता बनी रहे।

मोटे अनाज के सेवन से बेहतर रहती है हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता : वेद प्रकाश

केटी न्यूज/गाजीपुर

तीन दशक पहले जनपद में ज्वार, बाजरा, सांवा, कोदो, रागी जैसे मोटे अनाज की अत्यधिक पैदावार हुआ करती थी। धीरे-धीरे नया चलन में मोटे अनाज को छोड़ दिया गया। लगातार सूखे और वे वक्त बारिश से खरीफ फसल अत्यधिक प्रभावित होती है। जिससे किसानों को अत्यधिक क्षति होती है। इससे बचने के लिए जखनियां में किसान ने एक बार फिर मोटे अनाज की तरफ रूख किया है।

जखनियां सहायक विकास अधिकारी वेद प्रकाश ने मोटे अनाज की खेती कैसे की जाती है, इसके बारे में ग्राम बहरा में विस्तार पूर्वक लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि कतार में बुवाई के लिए बीज दर आठ से 10 किलो प्रति हेक्टेयर तथा छिड़काव पद्धति से बुवाई के लिए 12 से 15 किलो बीज प्रति हेक्टेयर के लिए आवश्यक है। सांवा की बुवाई का सही समय 15 जून से 15 जुलाई तक है। इसकी बुवाई ज्यादातर छिड़काव विधि से करते हैं। लेकिन बुआई कूड़ बनाकर तीन से चार सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए। कुछ स्थानों पर रोपाई भी करते हैं। लाइन से लाइन की दूरी 25 सेंटीमीटर रखनी चाहिए। सांवा की खेती दानों के साथ-साथ अच्छे गुण वाले चारे के लिए मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्र में की जाती है।

भारत में सांवा की खेती उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से कुछ क्षेत्रों में की जाती है। सांवा की खेती कम वर्षा वाले क्षेत्र के साथ-साथ कम उपजाऊ वाली भूमि में भी सफलतापूर्वक की जा सकती है। सांवा के विभिन्न प्रकार के व्यंजन भी बनाए जाते हैं, जैसे खीर, काला जामुन, काकलेट, डोसा, कलाकंद पुलाव आदि विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते हैं। ऐसे मोटे अनाज को उपजाऊ करने के लिए कृषि विभाग की तरफ से बीज भी उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि ऐसे मोटे अनाज का सेवन करने से लोगों का इम्युनिटी पावर बेहतर बन सके।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने जनपद वासियों को मच्छरों से बचाव की दी जानकारी, साफ-सफाई के लिए किया जागरूक

घर व आस-पास जलजमाव व गंदगी न होने दें: डॉ. पाल

केटी न्यूज/गाजीपुर

त्योहारों का सीजन आ रहा है। यही मौका है कि घर, छत व आस-पास के स्थानों की अच्छे से साफ-सफाई कर ली जाए। छत पर पड़े निष्प्रयोज्य बर्तनों, बोतलों, गमलों, टायरों, कूलर आदि में एकत्रित पानी को अलग कर सफाई कर ली जाए। घर के बाहर लगी झाड़ियों की कटाई कर ली जाए। जमा हुई गंदगी, कचरा आदि को भी दूर कर लिया जाए। यह कहना है मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डॉ. देश दीपक पाल का। उन्होंने कहा कि घर व आस-पास कहीं भी जलजमाव या गंदगी एकत्रित न होने दें। क्योंकि जिन स्थानों पर पानी ठहरेगा या जलजमाव की स्थिति पैदा होगी, वहाँ मच्छरों का लार्वा पनपेगा।

इसकी वजह से वेक्टर जनित विभिन्न संक्रामक व संचारी रोग उत्पन्न होंगे। त्योहार के समय में सभी का स्वास्थ्य बेहतर हो, खुशहाल हो। इसके लिए हमें जागरूक और सतर्क रहने की आवश्यकता है। सीएमओ ने कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य समेत 10 विभागों के सहयोग से जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण माह अभियान भी संचालित किया जा रहा है। वायरल फीवर और डेंगू पर प्रभावी रोकथाम व नियंत्रण के लिए निरोधात्मक गतिविधियां नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं।

बीमारियों को रोकने के लिए किया जा रहा जन-जागरूकता का कार्य : जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) मनोज कुमार ने बताया कि जनपद में डेंगू, मलेरिया व मच्छर जनित अन्य बीमारियों को रोकने के लिए जन-जागरूकता का कार्य किया जा रहा है। इससे स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को सुरक्षित रखा जा सके। आशा कार्यकताओं के माध्यम से घर-घर जाकर जन-जागरूकता के माध्यम से बदलते मौसम, संचारी रोगों से बचाव और साफ-सफाई के बारे में जानकारी दी जा रही है। शहरी क्षेत्र के लिए गठित की गई नगर पालिका की टीम वार्ड और मोहल्लों में जाकर जन-जागरूकता के साथ ही फॉगिंग और एंटी लार्वा के छिड़काव का कार्य कर रही हैं। जिससे इन बीमारियों को फैलने से रोका जा सके।

उन्होंने बताया कि वेक्टर जनित अधिकतर बीमारियां मच्छरों के काटने से फैलती हैं। इन बीमारियों से बचने के लिए मच्छरों से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके लिए घर व आस-पास साफ-सफाई रखें तथा जल का भराव न होने दें। झाड़ियों और नालियों को साफ सुथरा रखें। आस-पास रुके हुए पानी में जला हुआ मोबिल आयल या मिट्टी का तेल डालकर लार्वा को नष्ट करें. घर के दरवाजे और खिड़की पर मच्छर रोधी जाली लगाएं। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें। पूरे शरीर को ढ़कने वाले कपड़े पहनें। कूलर, फ्रिज आदि को साप्ताहिक रूप से साफ करें। छत पर निष्प्रयोज्य बर्तन, पाइप, टायर, नारियल के खोल आदि न डालें। गमलों और फूलदानों को भी साफ रखें। डीएमओ ने बताया कि इस साल अबतक डेंगू के 167 मरीज मिले हैं। डेंगू से अभी तक किसी की मृत्यु नहीं हुई है।